तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 24 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 25 अक्टूबर 2025 डाक 26 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
चुनाव से पहले एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान तथा अन्य

देश-विदेश
लखनऊ में तीन मंजिल के अवैध गोदाम में लगी आग एक मजदूर झुलसा 15 लड़कियों का किया गया रेस्क्यू

फीचर पेज
सिरदर्द से परेशान हैं? इन 5 पेय को डाइट में करें शामिल, मिलेगा आराम

सबका फोन ट्रैक हो रहा... महाराष्ट्र के मंत्री के बयान पर सियासी बवाल, बाद में दी सफाई

नई दिल्ली 25 अक्टूबर । महाराष्ट्र में होने वाले स्थानीय और निकाय चुनावों से पहले राज्य के राजस्व मंत्री और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एक बयान देकर हलचल मचा दी है। उन्होंने 23 अक्टूबर को भाजपा के एक कार्यक्रम में कहा कि सबके मोबाइल और व्हाट्सऐप पर निगरानी रखी जा रही है। इस बयान के बाद विपक्ष खासकर शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत भड़क गए। उन्होंने कहा कि बावनकुले के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए।विवाद बढ़ने के बाद बावनकुले ने सफाई दी कि उन्होंने जो कहा था, उसका मतलब गलत समझा गया। उन्होंने बताया कि बीजेपी के एक लाख व्हाट्सऐप ग्रुप पार्टी के वॉर रूम से जुड़े हैं, जहां से कार्यकर्ताओं की गतिविधियों और संवाद पर नजर रखी जाती है, ताकि चुनावी कामकाज बेहतर हो सके। बावनकुले ने कहा, हमारे वर्करों के काम, उनकी टिप्पणियां और प्रतिक्रियाएं पार्टी के वॉर रूम में देखी जाती हैं। इससे यह पता चलता है कि सरकार की योजनाएं कितनी असरदार हैं और लोगों तक कैसे पहुंच रही हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि पार्टी अपने ग्रुपों में आने वाले संदेशों से माहौल समझती है और उसी

आधार पर निर्णय लेती है। उन्होंने कहा, अगर कोई नकारात्मक टिप्पणी आती है कि उसे हटाया जाता है और सकारात्मक माहौल बनाया जाता है। यह हमारे संगठन के काम का हिस्सा है। राउत कौन होते हैं यह तय करने वाले कि हम पार्टी में क्या करें। स्थानीय और नगर निकाय चुनावों पर बात करते हुए बावनकुले ने दावा किया कि महायुति (बीजेपी, शिवसेना, एनसीपी) गठबंधन 51 प्रतिशत वोट हासिल करेगा। उन्होंने कहा, महा विकास आघाड़ी चाहे जितनी एकजुट हो जाए, उसे एक भी जिला परिषद या नगर परिषद नहीं मिलेगी।÷ उन्होंने बताया कि हर जिले में तीन नेताओं की कमेटी बनाई गई है ताकि टिकट बंटवारे को लेकर कोई विवाद न हो। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि गठबंधन के भीतर आपसी मतभेद से बचें और विपक्ष को असली प्रतिद्वंदी मानें। बावनकुले ने यह भी कहा कि कई कांग्रेस नेता बीजेपी में आने के इच्छुक हैं, क्योंकि उन्हें पार्टी में संवाद की कमी महसूस होती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में अच्छे पदाधिकारी किनारे कर दिए जाते हैं, जबकि बीजेपी में कोई भी कार्यकर्ता वरिष्ठ नेताओं से सीधे मिल सकता है। यह हमारी ताकत है।

नक्सलियों ने 2 युवकों को उतारा मौत के घाट

कांकेर। बस्तर अंचल में नक्सलियों की हिंसक गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कांकेर जिले से नक्सलियों की कायराना हरकत सामने आई है। उसूर ब्लॉक के नेल्ला कांकेर गांव में पुलिस मुखबिरी के आरोप में दो युवकों की हत्या कर दी गई है। मौके पर टीम रवाना की गई है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान रवि कट्टम और रवि सोढ़ी के रूप में हुई है, दोनों ही इसी ग्राम के निवासी बताए जा रहे हैं। एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना ने घटना को लेकर जानकारी दी कि पुलिस बल मौके के लिए रवाना हुआ। मामले में पुलिस के द्वारा तस्दीक की जा रही है।

फ्रिज में शॉर्ट सर्किट होने से लगी भीषण आग, बच्ची की मौत

साहिबाबाद। जिले के टीला मोड़ थाना क्षेत्र के तुलसी निकेतन चौकी के पीछे एक फ्लैट के फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में मकान में दुआ फैलने से महिला और उनकी बच्ची बेहोश हो गए। बाद में बच्ची की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि मां वेंटिलेटर पर है। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया।आग के कारण घर में दुआ भरा हुआ था और इस कारण महिला और बच्ची बेहोश हो गए थे। दोनों को टीम ने तत्काल दिल्ली जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूछताछ में पता चला कि महिला सब्बी परवीन उर्फ पिंकी पत्नी मोहम्मद जाकिर (उम्र 30 वर्ष) है और बच्ची का नाम साइना परवीन (उम्र 6 साल) है। महिला ने बताया कि वह दो दिन पूर्व ही इस फ्लैट में किराए पर शिफ्ट हुए थे। घायल सब्बी परवीन के पति मोहम्मद जाकिर बुलन्दशहर के निवासी हैं। जो कि ऑटो चालक हैं।

लालू यादव केंद्र सरकार पर भड़के

पटना, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शनिवार को व्रतियों के नहाय खाय से शुरू होने वाला है। इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने केंद्र सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने छठ पर्व पर आवश्यकता के मुताबिक ट्रेन नहीं चलवाने को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार ने कहा था कि 12,000 रेलगाड़ियां छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए चलाई जाएंगी, लेकिन यह भी सफेद झूठ निकला। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, झूठ के बेताज बादशाह और जुमलों के सरदार ने शेखी बघारते हुए कहा था कि देश की कुल 13,198 ट्रेनों में से 12,000 रेलगाड़ियां छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए चलाई जाएंगी।

यह भी सफेद झूठ निकला। उन्होंने आगे कहा कि 20 सालों की एनडीए सरकार में पलायन का दंश झेल रहे बिहारियों के लिए लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी ये लोग रेलगाड़ियां ढंग से नहीं चला सकते। मेरे बिहारवासियों को अमानवीय तरीके से ट्रेनों में सफर करना पड़ रहा है। कितना शर्मनाक है।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोकआस्था का महापर्व छठ पूजा

पीएम ने दी छठपूजा की शुभकामनाएं, कहा- सादगी और संयम का प्रतीक है ये विराट उत्सव

नईदिल्ली 25 अक्टूबर। आस्था का महापर्व छठ पूजा नहाय-खाय के साथ शनिवार से शुरू हो गया है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व उत्तर प्रदेश, बिहार सहित विश्वभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने छठ पूजा की देशवासियों को शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने कहा कि नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है, उसमें पारिवारिक और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। उन्होंने कहा कि छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

आज विश्व के कोने-कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार, इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें। छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा

मंदसौर में पुलिया से नीचे गिरी एंबुलेंस, 2 की मौत

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर सीतामऊ तहसील के ग्राम सेदरा माता के समीप मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस पुलिया से नीचे जा गिरी। इसमे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं चालक गंभीर घायल है। मिली जानकारी के अनुसार, हादसा शुक्रवार देर रात 12 बजे के करीब हुआ। बताया जा रहा है कि जावरा तरफ की से मरीजों को लेकर एंबुलेंस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे की तरफ जा रही थी। तभी सीतामऊ तहसील के ग्राम सेदरा माता और भुवानगढ़ के बीच में पुलिया से नीचे जा गिरी।लेकिन एम्बुलेंस पुलिया से नीचे गिरी होने के कारण किसी को पता नहीं चला। सुबह जब स्थानीय लोग खेत पर गए तो पुलिस ओर ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद कड़ी मशक्कत कर घायल ड्राइवर को निकाला गया।

हादसे में मरीज सहित दो लोगों की मौत हो गई। एंबुलेंस ड्राइवर गाड़ी में फंस गया था। सुबह लगभग 7 बजे चालक को बाहर निकाला गया। एंबुलेंस में 3 लोग सवार थे जिसमें से 2 की मौत हो चुकी है घायल चालक का उपचार चल रहा है और घायल चालक का उपचार चल रहा है।

खतरनाक हो सकता है चक्रवात 'मोन्था', आईएमडी ने ओडिशा में जारी किया भारी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर। अक्टूबर महीना ओडिशा के लोगों के लिए हमेशा चक्रवातीय खतरे की याद दिलाता है। इस बार का अक्टूबर भी कुछ ऐसा ही कड़वा अनुभव देने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आगामी 27 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवातीय परिसंचरण बनने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में एक निम्न दबाव क्षेत्र बन चुका है। यह धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और अधिक संगठित होकर शनिवार तक दक्षिण-पूर्व और मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर अवदाब (डिप्रेशन) का रूप ले लेगा। 26 अक्टूबर तक यह और मजबूत होकर गहरे अवदाब (डीप डिप्रेशन) में तब्दील हो जाएगा। 27 अक्टूबर (सोमवार) की सुबह तक इसके और तीव्र होकर दक्षिण-पश्चिम और मध्य-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का रूप धारण करने की पूरी संभावना है। हालांकि, यह तूफान कितना प्रबल होगा, किस दिशा में आगे बढ़ेगा और कहां पर यह भूमि को स्पर्श करेगा, इस संबंध में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दावा, नेकां के किसी विधायक ने नहीं की क्रास वोटिंग, न कोई वोट हुआ रद

श्रीनगर। राज्यसभा चुनावों में एक सीट पर मिली हार के बाद पीडीपी सहित अपने ही कुछ सहयोगी दलों द्वारा घेरे जाने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को यह दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के किसी विधायक ने न तो क्रास वोटिंग की और न ही किसी का वोट रद हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतिम चरण में हमें कुछ निराशा हाथ लगी। अब यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि किसने हमारा समर्थन किया और किसने नहीं। हालांकि मैं यहां किसी का नाम लेना उचित नहीं समझता। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मैं उन सभी का आभारी हूं जो अंत तक हमारे साथ खड़े रहे। नेशनल कान्फ्रेंस (नेंका) ने जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की सभी चार सीटें जीतने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन 3-1 के अंतिम नतीजों पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। हमने 4-0 की जीत के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक आखिरी समय में अपना सपोर्ट वापस लेने वालों की बात है, यह निराशाजनक है। उन्होंने कहा, मुझे इस बात से सुकून मिलता है कि नेकां का एक भी वोट गलत नहीं गया। वहीं दक्षिण कश्मीर के शोपियां से निर्दलीय उम्मीदवार शब्बीर अहमद राज्यसभा चुनाव के नतीजों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर के लोग हमेशा क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के प्रति वफादार रहे हैं लेकिन उन्हीं दलों ने बार-बार उनके विश्वास को तोड़ा है।

पंजीयन विभाग ने 100 रुपये के स्टांप पेपर पर लगाया प्रतिबंध

रायपुर। पंजीयन विभाग ने 100 रुपये के स्टांप पेपर पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया

है। यह रोक 1 नवंबर से लागू होगा। ये स्टांप पेपर, अर्जीनवीस, खरीदार का नाम अपने पंजी में दर्ज कर बेचा करते थे। वहीं पंजीयन दफ्तर से बिकने वाले ई स्टांप पर रोक नहीं रहेगी वह उपलब्ध रहेंगे।

चुनाव से पहले महागठबंधन ने साधी ताल एजेंडे में झलकी लोकलुभावन झलक

पटना, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

बिहार में महागठबंधन ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा और उप मुख्यमंत्री पद के संतुलन के बाद अब अब चुनावी वादों को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। गठबंधन की विभिन्न समितियां इस पर मंथन कर रही हैं। संभव है कि इस महीने के अंत तक महागठबंधन अपना साझा घोषणा पत्र जारी करे।

जानकारी के मुताबिक, घोषणा पत्र में सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर नीतियां तैयार की जा रही हैं। उद्देश्य साफ है कि महागठबंधन के प्रमुख घटक राजद, कांग्रेस, वाम दलों और वीआइपी के साझा एजेंडे को जनता के सामने एक स्वर में पेश करना है। राजद और कांग्रेस के साथ वामदलों की कोशिश है कि वादे जमीनी हों और जनता की रोजमर्रा की समस्याओं से सीधे जुड़ें। कांग्रेस प्रवक्ता असितनाथ तिवारी की माने तो महागठबंधन के प्रमुख घटक राजद-कांग्रेस संयुक्त रूप से माई-बहिन मान योजना पर सहमत हो गए हैं। योजना के तहत गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं को प्रतिमाह निश्चित आर्थिक सहायता दी जाएगी। असितनाथ मानते हैं कि दोनों घटक दल इस योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा कदम मानते हैं। इस महत्वपूर्ण योजना के अलावा गठबंधन ने आम जनता को राहत देने के लिए बिजली बिल में कटौती के लिए 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया है। इसी तरह, वृद्धजन और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए पेंशन में वृद्धि तथा मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना पर भी सहमति बन रही है। हालांकि इन योजनाओं की घोषणा पूर्व में ही की जा चुकी हैं। बावजूद अब ये महागठबंधन के साझा घोषणापत्र का हिस्सा बनेंगी। पूर्व में दलों के स्तर पर ये घोषणाएं की गई थी।

सूत्रों की माने तो घोषणा पत्र का मुख्य आधार युवाओं को रोजगार देना होगा। महागठबंधन के सभी प्रमुख दल विशेष कर राजद लगातार नौकरियों-रोजगार की बात करता रहा है। तेजस्वी यादव ने बीते दिनों घोषणा की थी कि महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार के प्रत्येक घर से एक-एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। बताया जा रहा है कि साझा घोषणा पत्र में सरकारी रिक्तियों को भरने, निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन और स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर फोकस होगा। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा भी प्राथमिकता में होगा।महागठबंधन अपने पारंपरिक एजेंडे सामाजिक न्याय, आरक्षण और समान अवसर को भी घोषणा पत्र का हिस्सा बना रहा है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के उत्थान के लिए विशेष योजनाएं जोड़ी जा रही हैं। कांग्रेस ने सुझाव दिया है कि जातीय सर्वे के निष्कर्षों के अनुरूप विकास कार्यक्रमों का फोकस तय किया जाए। महागठबंधन की कोशिश है कि जनता के बीच एक ऐसा संदेश जाए कि यह गठबंधन सिर्फ सत्ता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता का विकल्प पेश कर रहा है।

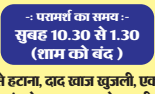

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं विकास ने रायपुर एयरपोर्ट में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का लिया आशीर्वाद

रायपुर, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं विकास महतो ने रायपुर एयरपोर्ट में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का आशीर्वाद लिया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, आज पटना, बिहार प्रवास के दौरान रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर उत्तराखंड के जोशीमठ स्थित ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी से भेंट हुई। इस अवसर पर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

अराधना भू-स्थापित कामगार एवं कारीगर सहकारी समिति चारपारा के मतदाता सूची का 02 नवंबर को होगा अंतिम प्रकाशन

कोरबा । अराधना भू-स्थापित कामगार एवं कारीगर सहकारी समिति चारपारा के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 02 नवंबर को होगा।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अराधना भू-स्थापित कामगार कारीगर सहकारी समिति मर्यादित चारपारा (कोहड़िया) पंजीयन क्रमांक 160 से प्राप्त जानकारी अनुसार समिति के सदस्यता सूची का प्रकाशन 23 अक्टूबर को किया गया है । जिसमें सदस्यों से दावा आपत्ति 24 अक्टूबर से 01 नवंबर तक समिति कार्यालय चारपारा कोहड़िया में प्राप्त करने हेतु सदस्य मोहनलाल को अधिकृत किया गया है। दावा आपत्तियों का निराकरण एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 02 नवंबर 2025 को किया जाएगा।

जय बजरंग बुनकर सेवा सहकारी समिति उमरेली के मतदाता सूची का 04 नवंबर को होगा अंतिम प्रकाशन

कोरबा । जय बजरंग बुनकर सेवा सहकारी समिति उमरेली के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 04 नवंबर को किया जायेगा।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जय बजरंग बुनकर सेवा सहकारी समिति मर्यादित उमरेली पंजीयन क्रमांक 337 से प्राप्त जानकारी अनुसार समिति के सदस्यता सूची का प्रकाशन 24 अक्टूबर को किया गया है । जिसमें सदस्यों से दावा आपत्ति 25 अक्टूबर से 03 नवंबर तक समिति कार्यालय उमरेली में प्राप्त करने हेतु सदस्य संतोष देवांगन को अधिकृत किया गया है। दावा आपत्तियों का निराकरण एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 04 नवंबर 2025 को किया जाएगा।

मदिरा दुकान में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह सक्रिय

कोरबा । जानकारी के अनुसार कोरबा जिले में बेरोजगार युवाओं को मदिरा दुकानों में नौकरी दिलाने का झांसा देने वाले ठग सक्रिय हो गए हैं। ये ठग व्हाट्सऐप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए फर्जी भर्ती अभियान चला रहे हैं। युवाओं से कहा जा रहा है कि रकम जमा करने के 24 घंटे के भीतर मनचाही दुकान में जॉइनिंग मिल जाएगी। मामले का पर्दाफाश तब हुआ जब एक युवक ने मदिरा दुकान में नौकरी के लिए संपर्क किया। ठग ने उसे फर्जी नियुक्ति पत्र सौंपा, जिसमें उसे टी.पी. नगर की विदेशी मदिरा दुकान में सेल्समैन नियुक्त बताया गया था। दीपावली के अगले दिन जारी इस आदेश की पुष्टि के लिए जब युवक जिला आबकारी कार्यालय पहुंचा, तो उसे बताया गया कि विभाग की ओर से कोई ऐसा आदेश जारी नहीं किया गया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि विभाग की जानकारी के बिना किसी भी दुकान में कर्मचारी की नियुक्ति संभव नहीं है। कुछ मामलों में दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर नौकरी पाने वालों की पहचान कर उन्हें सेवा से हटाया भी गया है।

सहायक आयुक्त आशा सिंह ने आम जनता से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति यदि मदिरा दुकान में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे मांगता है, तो तुरंत विभागीय कार्यालय या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत करें। उन्होंने कहा, नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले तत्वों से सावधान रहें और किसी भी परिस्थिति में पैसे न दें।

पुलिस स्मृति दिवस पर चित्रकला प्रदर्शनी

कोरबा । कोरबा जिला पुलिस लाइन के सामुदायिक भवन में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस परिवार के बच्चों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपनी कला के माध्यम से शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

यह प्रतियोगिता कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पुलिस परिवार की ओर से आयोजित की गई थी। रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा की गरिमामयी उपस्थिति में विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुलिस परिवार के बच्चों ने शहीद जवानों के बलिदान, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा को अपने रंगीन चित्रों में जीवंत किया। लगभग 30 से अधिक बच्चों ने इस आयोजन में भाग लिया और भारत माता, शहीद जवानों और शहीद नेताओं के चित्र बनाए। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी में शहीदों के प्रति श्रद्धा और पुलिस बल के योगदान के प्रति सम्मान जगाना था। रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा ने कहा कि बच्चों की ये रचनाएं शहीदों की अमर गाथा को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे आयोजनों का लक्ष्य युवाओं और बच्चों को देश के लिए शहीद हुए जवानों की शहादत से अवगत कराना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों, जवानों और परिवारजनों ने शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

खगेश कुमार निर्मलकर को कोरबा के जनपद सीईओ का प्रभार

कोरबा । जनपद पंचायत कोरबा के सीईओ का प्रभार कटघोरा के विकास विस्तार अधिकारी खगेश कुमार निर्मलकर को सौंपा गया है।

कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। 1 महीने पहले ही सीईओ कौशांबी गभेल के स्थान पर आईएएस क्षितिज गुरभेले को जनपद सीईओ का प्रभार दिया था। श्री गुरभेले ट्रेनिंग में गए हैं। इसकी वजह से श्री निर्मलकर को प्रभार सौंपा गया है।

सर्वेश्वर एनीकट के गेट खुलने से इंटेकवेल तक हुआ सूखा

कोरबा । कोरबा नगर निगम के पश्चिम क्षेत्र में पानी आपूर्ति के लिए बनाया गया सर्वेश्वर एनीकट कई दिनों से सूखा है। 6 गेटों की मरम्मत के लिए पानी बहाने से इंटेकवेल का हिस्सा भी सूखा पड़ा है। इस वजह से नाली बनाकर पानी लेना पड़ रहा है। गेटों को बंद नहीं किया गया तो पानी आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। गेरवा घाट पुल से 500 मीटर दूर एनीकट का निर्माण हुआ है। वर्ष 2021 से दर्री, सर्वमंगला जोन में पेयजल के लिए पानी आपूर्ति की जा रही है। एनीकट की लंबाई 630 मीटर है। इसमें 105 गेट लगे हैं। इनमें से 6 गेट खराब होने पर इसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके लिए 22 गेट खोले गए हैं। इस वजह से पानी का भराव नीचे चला गया है। ऊपरी हिस्से में नदी की धार नजर आ रही है। इंटेकवेल तक पहले भराव रहता था। वह काफी दूर चला गया है। इस वजह से नाली बनाकर पानी ले रहे हैं।

राज्य उत्सव की तैयारी को लेकर बैठक सम्पन्न - तीन दिवसीय सांस्कृतिक संध्या 2 से 4 नवम्बर तक

कोरबा । छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में आज जिला प्रशासन द्वारा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ओपन ऑडिटोरियम कोरबा में जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 2 से 4 नवम्बर तक होने वाली तीन दिवसीय सांस्कृतिक संध्या के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिया गया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और लोककला को विशेष रूप से शामिल किया जाए। स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जाए ताकि जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिल सके। साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की स्टॉल, फूड जोन और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने का भी प्रस्ताव रखा गया। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को आमंत्रित करने, बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला और मेला लगाने, आकर्षक स्टॉल स्थापित करने तथा पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा हुई।

जिला प्रशासन द्वारा सभी विभागों को समन्वयपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि राज्य उत्सव के दौरान नागरिकों को एक मनमोहक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव मिल सके।नोडल अधिकारी श्री दिनेश कुमार नाग की उपस्थिति में बैठक में श्री नूतन सिंह ठाकुर,सभापति नगर पालिक निगम, पार्षद श्री अशोक चावलानी, श्री नरेन्द्र देवांगन, श्री गोपाल मोदी, प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जायसवाल आदि उपस्थित थे।

लेखापाल व खनिज निरीक्षक के घर पर चोरो ने बोला धावा लाखों माल पार

कोरबा। अज्ञात चोरों ने न्यू राजस्व कॉलोनी में जिला न्यायालय के सहायक लेखापाल के घर धावा बोलकर चोरी को अंजाम दिया है। खनिज विभाग में पदस्थ माईनिंग इंस्पेक्टर की घर भी चोरों ने धावा बोला और नगदी सहित कई सामानों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों मामलों में अपराध दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।जानकारी के मुताबिक राकेश कुमार पाण्डेय पिता भागवत प्रसाद पाण्डेय 45 वर्ष -01 न्यू राजस्व कॉलोनी रामपुर ने निवासरत व कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोरबा में सहायक लेखापाल के पद पर कार्यरत है। वह 19 अक्टूबर को दीपावली त्यौहार मनाने ग्राम भिलाई बाजार कुसमुण्डा गया था। 22 अक्टूबर को शाम लगभग 7 बजे घर वापस आया तो पता चला कि पीछे का दरवाजा का कुण्डी को तोड़ कर अंदर आलमारी एवं दीवान में रखे कपड़ा एवं सलोरा कंपनी का टीव्ही, नगदी रकम 25000 रूपये को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया है। शासकीय आवास से लगभग 55,000 रू. की चोरी के मामले मेंराकेश कुमार पाण्डेय की रिपोर्ट पर धारा 305, 331(1) के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध जुर्म दर्ज किया गया है।

एक अन्य वारदात में माईनिंग इंस्पेक्टर खिलावन कुलार्य के परी कुंज डिंगापुर स्थित किराए के मकान में 19 अक्टूबर को दोपहर लगभग 12 बजे से 21 अक्टूबर की शाम लगभग 6 बजे के मध्य चोरी को अंजाम दिया गया।

वे सपरिवार दीपावली का त्यौहार मनाने गृहग्राम गए थे कि चोरी की सूचना पर 23 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2:15 बजे घर वापस लौटे।

उन्होंने पाया कि घर में रखे आलमारी से इस्तेतमाली पुराना जेवर सोने का हार, सोने का मंगल सूत्र 3 नग, 1 सोने की अंगूठी व 2 नग चांदी की अंगूठी, 1 जोड़ी चांदी का पायल, बच्चों का कंगन व नगदी रकम 50000 रूपये एवं एप्पल फोन 14 प्रोमैक्स को चोरी कर लिया गया है। अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 30, 331(4)-के तहत जुर्म दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

ग्रामों से आने वाले लोगों के लिए बस सुविधा का दिया गया सुझाव

कोरबा । छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती स्थापना वर्ष पर जिले में राज्योत्सव कार्यक्रम 2 से 4 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। राज्योत्सव की तैयारी के बीच जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेने बैठक आयोजित की गई। दूर-दराज ग्रामो से आने वाले लोगों के लिए बस सुविधा का सुझाव दिया गया हैं। जनप्रतिनिधियो ने कहा हैं की कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और लोककला को विशेष रूप से शामिल किया जाए, ताकि स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल सके और उनकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिल सके। छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की स्टॉल, फूड जोन का भी प्रस्ताव दिया। राज्य व राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को आमंत्रित करने, बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला और मेला लगाने, आकर्षक स्टॉल स्थापित करने व पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा हुई।जिला प्रशासन ने सभी विभागों को समन्वयपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य उत्सव में पहुंचे लोगों को एक मनमोहक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव मिल सके। बैठक में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी दिनेश कुमार नाग, निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद अशोक चावलानी, नरेन्द्र देवांगन, गोपाल मोदी, राजेन्द्र जायसवाल उपस्थित थे।

राज्योत्सव में सांस्कृतिक दल एवं कलाकार देंगे अपनी प्रस्तुति

पंजीयन के लिए 31 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं जमा

कोरबा । जिले में दो नवंबर से 04 नवंबर तक होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में जिले के सांस्कृतिक दल एवं कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके लिए जिले के सांस्कृतिक दलों एवं कलाकारों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए जिले के कलाकारो एवं सांस्कृतिक दलों से आवेदन मंगाए गए हैं।

राज्योत्सव-2025 में कोरबा जिले के प्रतिष्ठित/ख्याति प्राप्त सांस्कृतिक कलाकार जो देशभक्ति, छत्तीसगढ़ी गीत, लोक नृत्य, नृत्य नाटिका, शास्त्रीय संगीत एवं गायन के अंतर्गत अपनी प्रस्तुति देना चाहते हों वे सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कोरबा में प्रविष्टि भर कर आवश्यक दस्तावेजे सीडी, पेनड्राइव गूगल फॉम में अपलोड/वेबसाईट लिंक (यूट्यूब लिंक इत्यादि) सहित 31 अक्टूबर को शाम 04 बजे तक जमा कर सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क नंबर 7869096888 पर संपर्क किया जा सकता है। इसी तरह जिले के प्रतिभावान युवा, विद्यार्थी तथा अन्य लोग जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल की है उनका राज्योत्सव कार्यक्रम में सम्मान किया जायेगा। वे अपनी जानकारी जिला पंचायत कार्यालय कोरबा के स्टेनों शाखा में तथा अधिक जानकारी के लिए 9589583878 में संपर्क कर सकते हैं।

'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक,दिए जरूरी निर्देश

कोरबा। जिला कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने योजना के जमीनी स्तर पर लागू करने हेतु विस्तृत चर्चा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को योजना से आमजन को अधिकतम लाभ दिलाने के लिए गंभीरता से कार्य करने और तय लक्ष्यों के अनुसार समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। इस हेतु उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को आपसी समन्वय से कार्य करने के लिए कहा।

कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देश दिए कि जिले का डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान शीघ्र तैयार किया जाए। कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन जैसे कृषक कल्याण से जुड़े विभाग जमीनी स्तर पर बेस लाइन सर्वे का कार्य गंभीरता से करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग विलेज एक्शन प्लान बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। उन्होंने कृषि एवं जल संसाधन विभाग को छोटी-छोटी सिंचाई परियोजना को चिन्हांकित कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रत्येक विभाग 10-10 पात्र हितग्राहियों का चयन कर उन्हें बैंक से लोन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में नए एफपीओ का गठन कर उन्हें योजना से प्राथमिकता से लाभांवित करने के लिए कहा। साथ ही प्रत्येक ब्लॉक में चिंतन शिविर आयोजित किए जाएं ताकि योजना की प्रगति और समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की जा सके। कलेक्टर ने जिले में कृषकों के फसल के सुरक्षित भंडारण हेतु स्टोरेज या कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विभागो को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिये कहा। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को कृषक समृद्धि के निर्धारित सूचकांकों पर बेहतर प्रदर्शन हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश नाग, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी विभाग, जल संसाधन, उप पंजीयक सहकारी संस्थान, लीड बैंक मैनेजर, नाबार्ड तथा कृषि विज्ञान केंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रजत जयंती के अवसर पर कटबिटला में किसान संगोष्ठी का हुआ आयोजन

कोरबा। राज्य स्थापना रजत जयंती के उपलक्ष्य में विकासखंड कोरबा ग्राम कटबिटला में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग के साथ संवर्गीय विभाग उद्यान, पशु चिकित्सा, मछली विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा विभागीय योजनाओं के साथ तकनीकी जानकारी किसानों को प्रदान किया गया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 अनुरूप महिला किसानों को सब्जी बीज बांट कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सुष्मिता कमलेश अनंत सभापति कृषि स्थाई समिति, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती संतोषी धीवर, उप सरपंच कटबिटला, श्री विजय कंवर एवं अन्य जनप्रतिनिधि सहित श्रीमती सीमा गौतम नायक, अनुविभागीय अधिकारी कृषि कोरबा, श्री जी एस मरकाम वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कोरबा, श्री कुलदीप रात्रे ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कोरबा, सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : 25 वर्षों की गौरवशाली कृषि यात्रा'

'आत्मनिर्भर कृषि, किसानों की मेहनत और योजनाओं का सफल संगम'

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव रजत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा और ग्राम्य विकास के साथ-साथ कृषि क्षेत्र ने भी इन वर्षों में अद्भुत प्रगति की है। कृषि विभाग कोरबा की यह 25 वर्ष की यात्रा किसानों की मेहनत, सरकारी नीतियों की सफलता और आधुनिक तकनीकों के समन्वय की जीवंत कहानी है। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश से अलग होकर नया राज्य बना, तब कृषि क्षेत्र पारंपरिक स्वरूप में था, लेकिन आज 2025 में यह आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित क्षेत्र बन चुका है।

राज्य के गठन के बाद कोरबा जिले ने कृषि उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, बीज और उर्वरक वितरण के साथ-साथ तकनीकी नवाचार में भी निरंतर प्रगति दर्ज की है। 25 वर्षों की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ के किसान अब केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2000 में कोरबा जिले में खरीफ फसलों का कुल क्षेत्र 01 लाख 33 हजार 880 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 01 लाख 37 हजार 066 हेक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार रबी फसलों के अंतर्गत क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2000 में कुल रबी क्षेत्र 14 हजार 780 हेक्टेयर था, जो अब 40 हजार 368 हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। यह वृद्धि केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि जिले के किसान अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हुए हैं।

वर्ष 2000 में खरीफ के अंतर्गत अनाज का क्षेत्रफल 02 हजार 096 हेक्टेयर था, जो अब 03 हजार 664 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। दलहन फसलों का क्षेत्र भी 04 हजार 535 हेक्टेयर से बढ़कर 07 हजार 581 हेक्टेयर हुआ है, जबकि तिलहन फसलों का क्षेत्र 06 हजार 068 हेक्टेयर से बढ़कर 09 हजार 608 हेक्टेयर हो गया है। सब्जी एवं अन्य फसलों की बात करें तो यह विस्तार सबसे उल्लेखनीय रहा है वर्ष 2000 में 02 हजार 081 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियाँ बोई जाती थीं, जो अब बढ़कर 19 हजार 515 हेक्टेयर हो गई हैं। यह आँकड़े बताते हैं कि जिले के किसान

अब नकदी फसलों, सब्जी उत्पादन और विविध खेती की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़े हैं।

खेती में उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता को कोरबा कृषि विभाग ने प्राथमिकता दी। वर्ष 2000 में खरीफ सीजन में किसानों को 2,501.25 क्विंटल बीज वितरित किए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह आँकड़ा बढ़कर 39,404.34 क्विंटल हो गया है। इसी प्रकार रबी सीजन में वर्ष 2000 के 482.5 क्विंटल की तुलना में वर्ष 2025 में 01हजार 994.27 क्विंटल बीज किसानों को प्रदान किए गए हैं। कुल मिलाकर वर्ष 2000 में जहाँ 02 हजार 983.75 क्विंटल बीज वितरित किए गए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह बढ़कर 41 हजार 398.61 क्विंटल तक पहुँच गया है। यह उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है कि किसानों में गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है और कृषि विभाग ने इस दिशा में सतत प्रयास किए हैं।

खेती की उत्पादकता को बढ़ाने में रासायनिक उर्वरकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। कोरबा जिले में उर्वरक वितरण में पिछले 25 वर्षों में लगभग चार गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 में खरीफ सीजन में 04 हजार 173 टन उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह मात्रा बढ़कर 16 हजार 778.73 टन हो गई है। रबी सीजन में वर्ष 2000 के 479 टन की तुलना में अब 570.55 टन उर्वरक वितरित किए जा रहे हैं। इस प्रकार कुल उर्वरक वितरण वर्ष 2000 के 04हजार 652 टन से बढ़कर अब 17 हजार 349.28 टन हो गया है। यह आंकड़े न केवल कृषि में उर्वरक उपयोग की दक्षता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि कोरबा जिले के किसान अब वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हैं।

पिछले दो दशकों में कोरबा जिले में कृषि का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। पहले जहाँ कृषि केवल जीविकोपार्जन का साधन थी, वहीं अब यह एक लाभदायक व्यवसाय बन चुकी है। फसल विविधीकरण, सिंचाई के साधनों का विस्तार, जैविक खेती, और आधुनिक तकनीक के उपयोग ने जिले की कृषि को मजबूती दी है। कृषि विज्ञान केंद्र और आत्मा परियोजना के माध्यम से किसानों को निरंतर प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान किया जा रहा है। मिट्टी परीक्षण, फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी पहलों ने किसानों को जोखिम से बचाने और उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महिला स्व-सहायता समूहों ने भी कृषि क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। इन समूहों ने जैविक खाद निर्माण, सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण जैसे कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिली है और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता में भी वृद्धि हुई है। युवाओं को कृषि में नवाचार और उद्यमिता की दिशा में प्रेरित किया गया है। कृषि आधारित स्टार्टअप, ड्रिप सिंचाई, फसल प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में युवाओं ने नई संभावनाएँ खोली हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के इस पावन अवसर पर कोरबा का कृषि विभाग अपनी इन उपलब्धियों पर गर्व करता है। यह यात्रा केवल विभागीय योजनाओं की नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, तकनीकी जागरूकता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता की साझी सफलता की कहानी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाने की दिशा में जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उनका प्रत्यक्ष प्रभाव कोरबा की धरती पर देखा जा सकता है। यदि संकल्प और समर्पण साथ हों, तो परिवर्तन निश्चित होता है। यह यात्रा केवल खेतों की हरियाली तक सीमित नहीं, बल्कि यह किसानों के चेहरों पर आई मुस्कान, आत्मनिर्भरता की भावना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रतीक है।

बिना लाइसेंस के चल रहे कई कीटनाशक विक्रय केंद्र, विभाग के पास जांच करने फुर्सत नहीं

जांजगीर चांपा। ब्लॉक मुख्यालय बम्हनीडीह में कृषि विभाग की लापरवाही और अधिकारियों की निष्क्रियता किसानों की मेहनत पर पानी फेर रही है। कृषि विभाग के एसडीओ परमेश्वर बनर्जी की ढिलाई से कृषि दवाई केंद्रों में बिना अनुमति, बिना डिग्री और बिना लाइसेंस के कीटनाशक दवाओं की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है। इन दुकानों पर खुलेआम डीएपी, यूरिया, गंधक, बायोफार्टिलाइजर, बायो पोटास की नकली दवाइयां बेची जा रही है, जिनसे न केवल किसानों की फसलें बर्बाद हो रही है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता पर भी गंभीर असर पड़ रहा हैं। ब्लॉक मुख्यालय बम्हनीडीह के गांव-गांव में अधिक मुनाफे के लिए सस्ती कंपनियों की घटिया या जहरीली दवाइयां बेची जा रही है,। यहां के दुकान संचालक खुद दुकान पर नहीं बैठते, बल्कि अशिक्षित रिश्तेदारों या मजदूरों को बिठा देते हैं, जिन्हें सिर्फ मार्जिन के हिसाब से दवाई देना आता है। कृषि विभाग द्वारा कभी भी इन कर्मचारियों की योग्यता या प्रशिक्षण की जांच नहीं की जाती। स्थानीय किसानों ने बताया कि इन दुकानों से खरीदे गए कीटनाशक छिड़कने के बाद उनकी फसलें सूख जाती हैं या असर नहीं करतीं। कई बार दवाओं में मिलावट इतनी होती है कि फसल पर उल्टा असर पड़ जाता है। बम्हनीडीह क्षेत्र में हर साल लाखों रुपए के कीटनाशक बेची जाती है,। इसमें भी लाखों रुपए का व्यापार बिना लाइसेंस वाली दुकानों में होता है। इन नकली उत्पादों पर कोई नियंत्रण नहीं है। दुकानदार इन्हें असली दवा बताकर बेचते हैं क्योंकि इनसे मुनाफा कई गुना अधिक होता है। कृषि विभाग के एसडीओ की भूमिका इस पूरे मामले में सवालों के घेरे में है। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी का मुख्यालय में अनुपस्थित रहना और दुकान निरीक्षण में रुचि न लेना, इस अवैध कारोबार के फैलने का बड़ा कारण है। सूत्रों की माने तो अब तक विभाग ने एक भी दुकान का विधिवत निरीक्षण नहीं किया है।

बिना अनुभव व बिना अनुमति के चल रही दुकानें

मिली जानकारी के अनुसार, बम्हनीडीह ब्लॉक में करीब 300 से अधिक कृषि कीटनाशक विक्रय केंद्र संचालित हैं, जिनमें से कई बिना लाइसेंस के ही व्यापार कर रहे हैं। इन दुकानों के संचालक न तो कृषि विषय में प्रशिक्षित हैं न ही उनके पास विभाग द्वारा जारी कोई प्रमाणपत्र है। नियम के अनुसार किसी भी दुकान को कीटनाशक बेचने के लिए कृषि से संबंधित डिग्री या विभागीय प्रशिक्षण अनिवार्य है, लेकिन यहां यह शर्त सिर्फ कागजों तक सीमित है।

राज्योत्सव 2025- स्थानीय कलाकारों से आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 01 नवम्बर 2025 राज्योत्सव के अवसर पर 02 नवम्बर से 04 नवम्बर तक हाई स्कूल मैदान जांजगीर में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय कलाकारों से प्रस्तुति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन कार्यालयीन दिवस में जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा जांजगीर-चांपा, ग्राम पंचायत जर्वे (च) आरटीओ ऑफिस के सामने में 30 अक्टूबर 2025 शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं।

सहायक आयुक्त आबकारी की दो टूक आबकारी मामले में बड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

जांजगीर। सहायक आयुक्त आबकारी ने मैदानी अमले को स्पष्ट कहा है कि जिले में अवैध शराब के लगातार मामले सामने आ रहे हैं लेकिन मैदानी स्तर पर आबकारी टीम नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में हर रोज बड़ी कार्रवाई का टारगेट दिया गया है। जिसके परिपालन में आबकारी टीम सुबह से ही मैदानी इलाकों में जाकर बड़ी कार्रवाई कर रही है। शुक्रवार को ही आबकारी टीम ने बिर्रा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई के लिए निकली थी। जिसमें टीम ने कई तस्करों को पकड़ा है।

जिले में महुआ शराब की बिक्री कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक ओर पुलिस हर रोज तस्करों को धरपकड़ कर रही है, लेकिन आबकारी विभाग की टीम पुलिस की अपेक्षा अवैध शराब नहीं पकड़ पा रही है। इस हिसाब से कार्रवाई के आंकड़ों में पुलिस विभाग आबकारी से आगे है। जिसे देखते हुए प्रभारी

सहायक आयुक्त आबकारी ने सभीं मैदानी क्षेत्र के सब इंस्पेक्टरों को दो टूक में कहा है कि हर रोज आबकारी अधिनियम की धारा 34-2 के तहत कार्रवाई करें। ताकि तस्करों में लगाम लगाई जा सके। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभागीय अधिकारियों ने मैदानों में खाक छानना शुरू कर दिया है। सब इंस्पेक्टरों द्वारा अपने-अपने इलाके में मुखबिर तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। मुखबिर के बताए स्थानों में छापेमारी की जा रही है। ताकि अवैध शराब बिक्री पर लगाम लग सके।

नवागढ़ बीईओ के बाबू पर इलाज की राशि निकालने घूस मांगने का आरोप

जांजगीर चांपा। इलाज में खर्च हुए राशि को निकालने के एवज में नवागढ़ बीईओ कार्यालय के बाबू पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए शिक्षक ने कलेक्टर से लिखित शिकायत की है। शिक्षक संपत लाल राठौर ने इलाज में खर्च हुए व्यय नाम राशिको निकालने के आम पैसे मांगन का आरोप लगाया है।

कलेक्टर के मुताबिक, शासकीय कन्या प्राथमिक शाला नैला में पदस्थ सहायक शिक्षक संपत लाल राठौर को पैरालिसिस अटैक आया था और जिसका इलाज कराया गया। इलाज में खर्च चिकित्सा व्यय पाने के लिए शिक्षक के द्वारा शासन के समक्ष विधिवत आवेदन किया गया। जिस पर शासन की ओर से 87 हजार 722. रुपए की चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति की राशि स्वीकृत कर विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवागढ़ को आवंटित की है। शासन की ओर से यह राशि जारी हुए तीन माह हो चुके हैं लेकिन इस राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इस राशि को जारी करने के लिए नवागढ़ बीईओ कार्यालय में पदस्थ खंडलिपिक बजरंग लाल कटकवार के द्वारा रिश्वत की मांग की गई। राशि नहीं देने पर भुगतान रोक दिया गया है। इसकी शिकायत कापी शिक्षक सम्पत लाल राठौर ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री और प्रभारी मंत्री को भेजी है।

हर काम के लिए चढ़ावे की शिकायत

बताया जा रहा है कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें अंदर तक जमी हुई है। विभागीय कार्यों के लिए बिना चढ़ावा काम नहीं होता। हर काम के लिए यह कीमत भी तय है। सर्विस बुक में संधारण करना है तो 500 रुपए, चाइल्ड केयर लीव चाहिए तो 5000 तो पेंशन जैसे कार्य अटके है तो 20 हजार रुपए से कम में फाइल आगे नहीं बढ़ती। बीच-बीच में इस तरह के मामले सामने भी आ चुके हैं जिसमें घुसखोर बाबू निलंबित तक हो चुके हैं लेकिन निलंबन की कार्रवाई केवल दिखावा है, चंद दिनों में कर्मचारी उच्चाधिकारियों के रहमो-करम में बहाल होकर फिर से कुर्सी पर बैठ जाते हैं।

करही में खनिज विभाग की कार्रवाई दो हाईवा व 60 घन मीटर रेत जब्त

जांजगीर-चांपा। खनिज विभाग की टीम ने करही में चल रहे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर कार्रवाई करते हुए दो हाइवा व 60 घन मीटर अवैध रेत की जब्ती बनाई गई है। इस तरह हुई कार्रवाई से खनिज माफियाओं में हडकंप मच गया है।

खनिज विभाग की टीम ने बीते गुरूवार की देर रात हसौद तहसील क्षेत्र के करही में चल रहे रेत के अवैध उत्खनन परिवहन पर कार्रवाई करते हुए दो हाईवा वाहन और अवैध रूप से डंप किए गए रेत को जप्त किया है। जप्त हाईवा वाहनों को ग्राम कोटवार को सुपुर्द किया गया है। उल्लेखनीय है कि हसौद तहसील क्षेत्र के महानदी घाट पर स्थित करही गांव में रोजाना रेत का अवैध उत्खनन परिवहन जारी है, गांव के ही कुछ लोग रेत के इस अवैध कारोबार में संलिप्त हैं जिनके द्वारा रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कराया जा रहा है। रेत माफिया हाईवा वाहन के जरिए रेत को दूर दराज क्षेत्रों में सप्लाई कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं जिससे सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनिज और राजस्व विभाग के अधिकारियों से मिलीभंगत कर रेत के इस अवैध कारोबार को चलाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि रेत के इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोग हर महीने राजस्व और खनिज विभाग के अफसरों के मोटी रकम पहुंचाते हैं इसीलिए राजस्व और खनिज विभाग की टीम गांव में चल रहे रेत के अवैध उत्खनन परिवहन पर अंकुश नहीं लग पा रही हैं। राजस्व एवं खनिज विभाग की टीम कार्रवाई के नाम पर महज औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं, ग्रामीणों की माने तो खनिज विभाग की टीम छापेमारी करने से पहले रेत माफिया को सूचना देकर मौके पर पहुंचते है। एक दो हाईवा वाहन को जप्त कर खनिज विभाग की टीम औपचारिकता निभाती है। 23 अक्टूबर गुरूवार की देर रात करीबन 12 बजे खनिज विभाग की टीम ने स्थानीय जिला पंचायत सदस्य की शिकायत पर करहीं में दबिश देकर रेत परिवहन में लगे दो हाईवा वाहन और अवैध रूप से डंप किए गए रेत को जप्त किया है।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर धान खरीदी कंम्प्यूटर आपरेटर संघ ने खोला मोर्चा

जांजगीर-चांपा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने वाले कंम्प्यूटर आपरेटर संघ ने अपनी चार सूत्रीय मांगो को लेकर मोर्चा खोल दिया है। इस मामले में सीएम के नाम ज्ञापन सौपकर एसडीएम से जल्द मामले के निराकरण की मांग की गई है।

सरकार के द्वारा तय किए गए समय सीमा के अंतर्गत 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू की जानी है, ताकि पंजीकृत किसानो का धान समर्थन मूल्य पर खरीदा जा सके। इधर अपने चार सूत्रीय मांगो को लेकर शुक्रवार 24 अक्टूबर को धान खरीदी कंम्प्यूटर आपरेटर संघ ने मोर्चा खोल दिया। जिला मुख्यालय जांजगीर के नोडल कार्यालय सेवा सहकारी समिति कार्यालय के पास इकठठा होकर आपरेटर संघ के पदाधिकारियो ने प्रदर्शन किया। अपनी मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौपकर जल्द कार्यवाही की मांग की गई है। उनकी मांगो पर नजर डाली जाए तो मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर छतीसगढ शासन के द्वारा भी प्रदेश के 2 हजार 58 सहकारी समिति कर्मचारियो के वेतनमान व अन्य सुविधाऐ लाभ देने प्नति वर्ष प्रत्येक समितियो को 3 एवं 3 लाख रूपऐ की प्रबंधकीय अनुदान राशि शीघ्र आदेश लागू करने, सेवा अधिनियम 2018 की आंशिक संशोधन करते हुए पुनरीक्षित वेतनमान लागू करने, समर्थन मूल्य धान खरीदी वर्ष 2023 एवं 2024 वही 2024 एवं 2025 में धान खरीदी के बाद सूखत मान्य किया जावे, सुरक्षा ब्यय एवं प्रासंगिक ब्यय तथा कमीशन, खाद, बीज, उपभोक्ता, फसल बीमा में 4 गुणा बढोतरी राशन वितरण पर प्रति क्विंटल 500 ग्राम क्षति पूर्ति एवं 5 हजार रूपए देने की मांग साथ ही साथ धान खरीदी नीति वर्ष 2024 एवं 25 मे वर्णित कंडिका क्रमांक 113 आउट सोर्सिंग द्वारा कंम्प्यूटर आपरेटर के नियोजन को विलोपित कर विभाग तय करते हुए नियमितीकरण की मांग को लेकर धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर संघ के पदाधिकारियो ने ज्ञापन सौंपकर मामले पर जल्द निराकरण की मांग की है।

राहौद में स्ट्रीट लाइट खराब शाम होते ही छा रहा अंधेरा

राहौद। राहौद नगर पंचायत क्षेत्र में वर्ष 2024-25 में लाखों खर्च कर कई वार्डों में एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई थीं। देखरेख के अभाव में ये लाइटें अब खराब हैं। दीपावली बीत गई पर नगर के अधिकांश मोहल्ले अब भी अंधेरे में डूबे हैं। नगर का मुख्य मार्ग बिलासपुर-शिवरीनारायण जैसे व्यस्त मार्ग पर स्थित होने के बावजूद शाम होते ही अंधेरे में समा जाता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से शिक्षिका की मौके पर मौत

सक्ती । स्कूटी सवार शिक्षिका को अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा घटना में शिक्षिका की मां गंभीर रूप से घायल हो गई। वही वाहन चालक गाड़ी लेकर भाग गया। घटना मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम कचंदा की है। इस संबंध में मालखरौदा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मुक्ता निवासी अनिता सिदार 28 वर्ष शिक्षिका जो कि किरारी में पद पर थी। अपने मां के साथ स्कूटी सीजी 13 एएक्स 4216 में सवार होकर कचंदा ग्राम से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान ग्राम अमेराडीह के पास अज्ञात वाहन ने पीछे से ठोकर मार दी और मालखरौदा की ओर भाग गया। इस दुर्घटना में जिससे घटनास्थल पर ही शिक्षिका की मौत हो गई। गुरूवार 23 अक्टूबर की है। इस दुर्घटना में उसके मां गुरुवारी बाई के सिर को गंभीर चोट लगी है। जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

इलाज किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लेकर अज्ञात वाहन की पतासाजी में जुट गई है। इधर पुलिस मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की खोजबीन में जुट गई है।

उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश ने किया जांजगीर, सक्ती न्यायालय का निरीक्षण

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा विभिन्न जरूरी प्रकरणों पर सुनवाई की जा रही है तथा सुदृढ व सुचारू न्यायालयीन व्यवस्था हेतु विभिन्न न्यायालयों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायालय, रायगढ़ के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार व अन्य न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

विदित हो कि मुख्य न्यायाधीश महोदय द्वारा पूर्व में भी जिला रायगढ़ का निरीक्षण किया जा चुका है। पूर्व निरीक्षण में पायी गयी कमियों के निराकरण पर उनके द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने रायगढ़ में अधिवक्ताओं से मुलाकात की। अधिवक्ताओं द्वारा उनके आगमन पर हर्ष व्यक्त किया गया। तदुपरांत माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय द्वारा न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक भी ली गई। उनके न्यायालय में पुराने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और उन प्रकरणों को नियमानुसार व प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिये गये। इसके उपरांत उनके द्वारा सिविल न्यायालय खरसिया के नवीन न्यायालय भवन का निरीक्षण किया गया। खरसिया में उनके द्वारा अधिवक्ताओं से चर्चा की गई। न्यायिक अधिकारियों की भी बैठक ली गई। पार्किंग में उचित प्रकाश व्यवस्था हेतु निर्देश दिये गये।

इसके उपरांत सक्ती न्यायालय का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी न्यायालयों के कक्षों एवं अनुभागों का अवलोकन किया गया तथा सभी व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। अधिवक्तागणों द्वारा बहुत ही हर्षोल्लास के साथ उनका स्वागत किया गया।

बाड़ा एवं शीतला माता मंदिर निर्माण का भूमि पूजन

जांजगीर चांपा। श्री जैतू साव मठ के गांव भरेंगा के प्राचीन बाड़ा एवं माता शीतला मंदिर के नवनिर्माण हेतु भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भरेंगा के बाड़ा एवं शीतला मंदिर के नवनिर्माण के लिए भूमि पूजन के कार्यक्रम में महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज, ट्रस्ट कमेटी के वरिष्ठतम सदस्य अजय तिवारी एवं सचिव महेंद्र अग्रवाल सम्मिलित हुए।

भगवान राघवेंद्र सरकार की विधिवत पूजा अर्चना करके उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि- जैतू साव मठ का यह प्राचीन कालीन बाड़ा जर्जर हो गया है, इसलिए इसके नवनिर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया है। इसके बन जाने से आम जनता को अपने कार्यों के संपादन में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि प्राचीन शीतला मंदिर का भी ग्राम वासियों के इच्छा अनुसार निर्माण कार्य संपन्न होगा। तिवारी जी ने कहा कि -ग्राम वासियों की

इच्छा के अनुसार सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए यहां बाड़ा निर्माण एवं धार्मिक आस्था को ध्यान में रखकर मंदिर निर्माण का भूमि पूजन किया गया है।

निर्माण शीघ्र पूरा होगा। दाऊ अग्रवाल जी ने कहा कि- आप सभी ने यहां हनुमान जी के मंदिर के निर्माण के लिए आग्रह किया था वह बन करके लोकार्पित हो चुका है, उसका सदुपयोग आप सभी ग्राम वासी कर रहे हैं। निकट भविष्य में यह कार्य भी संपन्न होगा। यह बाड़ा सर्व सुविधा युक्त आधुनिकतम रूप से निर्मितहोगा। कार्यक्रम में गांव के सरपंच यादव जी, रामपाल ठाकुर, अवध सिंह, छत्रपाल, ढेबर गुरुजी,अमर दास, पंच एवं प्रतिष्ठित नगरीक गण व मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, अंकित दुबे सहित लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् दीपका जिला- कोरबा (छ.ग.)

Ph. : 07815 239299, Pin : 495452, e-mail-dipkacmo@rediffmail.com

पत्र क्र./2221/निर्माण/न.पा.प./2025 दीपका, दिनांक 24.10.25

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद, दीपका द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा जारी (भवन/सड़क) 01.01.2015 से प्रभावशील दर अनुसूची प्राक्कलन के तकनीकी स्वीकृति अनुसार निर्माण कार्य हेतु मुहर बंद निविदा प्रपत्र पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक : 07.11.2025 समय 2.00 बजे तक
परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि : 07.11.2025 समय 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 17.11.2025 समय 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 17.11.2025 समय 4.00 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि (कार्यादेश से)
1.	वार्ड क्र. 02 में आंगनबाड़ी का मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य।(पार्षद निधि)	4.52	4600.00	750.00	02 माह

नियम व शर्ते :- 1. शर्ते/जानकारी वेबसाईट uad.cg.gov.in/ कार्यालयीन अवधी पर निर्माण शाखा से कार्य दिवस/अवधि में देखी जा सकती है।

"नगर पालिका के करों का भुगतान समय -सीमा में अवश्य करें"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद दीपका
जिला-कोरबा (छ.ग.)

जिले की बदहाल सड़कों को लेकर कांग्रेसियों ने किया कलेक्टोरेट घेराव

जांजगीर-चांपा। जिले की बदहाल सड़को की मरम्मत की मांग को लेकर कांग्रेसियों द्वारा कल जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। तीनों विधायक के साथ कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर शक्ति प्रदर्शन किए । कांग्रेसियों ने रैली निकाली और बेरीकेटिंग को हटाते हुए कलेक्टर के मुख्य द्वार तक पहुंच गए। जिला प्रशासन ने मंगलवार से सड़क मरम्मत कार्य प्रारम्भ कराने कर आश्वासन देकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया।

जांजगीर चाम्पा जिला के सड़कों की बदहाली के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार 24 अक्टूबर को जिला मुख्यालय में बड़ा प्रदर्शन किया। जांजगीर चाम्पा विधायक व्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश और अकलतरा विधायक व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह के साथ बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली। रैली निकाल कर सभी नारबाजी करते कलेक्ट्रेट की ओर बढ़े। इधर कलेक्टर कार्यालय के घेराव की सूचना पर पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम कर रखे थे। मार्ग में स्टॉपर और बेरीकेट लगाए गए थे। साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने निकले कांग्रेसियों में पुलिस की पहली बेरीकेटिंग को हटा दिया और कलेक्टरेट के मेन गेट तक पहुंच गए। दूसरे सुरक्षा घेरा को भी तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने गेट के बाहर ही प्रदर्शन कारियों को रोक लिया। कलेक्टरेट के

मेन गेट के बाहर ही कांग्रेस विधायक और कार्यकर्ताओ ने जमकर नारेबाजी की। एडिशनल कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर ने विधायकों से चर्चा की। जिले मे बदहाल सड़?को की सूची कांग्रेसियों ने जिला प्रशासन को सौपी और तीनो विधानसभा क्षेत्र के 10-10 सड़को को प्रथमिकता के साथ सुधारने मांग की। एडिशनल कलेक्टर ने मंगलवार से सड़कों की मरम्मत शुरू कराने का आश्वासन देकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया।

आगे चक्काजाम करने की चेतावनी

कांग्रेसियों ने जिला के तीनों विधानसभा

पामगढ़,अकलतरा और जांजगीर चांपा में कांग्रेस के विधायक होने के कारण राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। साथ ही आश्वासन के अनुरूप जल्द ही सड़को की मरम्मत नहीं होने पर आगे चक्काजाम करने की चेतावनी दी। अकलतरा विधायक व राघवेद सिंह ने राज्य सरकार पर द्वेषवश पूर्ववर्ती सरकार द्वारा स्वीकृत कार्यों को आगे नहीं बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिले के अधिकांश सड़को का बुरा हाल है। कई बार मंत्री और जिला प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी सड़को की स्थिति में सुधार नहीं आया। अब जिला प्रशासन ने मंगलवार से 10 सड़क का मरम्मत कार्य प्रारम्भ करने कर आस्वासन दिया है।

हाल ह में कांग्रेस संगठन का चुनाव होना है ऐसी स्थिति में राघवेंद्र कुमार सिंह ने इस बार अधिक लोगों को इस आंदोलन में बुला रखे थे। यहां अकलतरा के नेता अधिक दिखाई दिए। इस मौके पर दिनेश शर्मा, राजेश अग्रवाल, रमेश पैगवार , हरप्रसाद साहू,कन्हैया राठौर, भगवान दास गढ़वाल, आभास बोस,हरीश पांडे सुनील साधवानी, विवेक सिंह, डा पारस शर्मा, गिरधारी यादव, महेश्वर टंडन, आदि उपस्थित थे।

सीजी बोर्ड एग्जाम 31 को

जांजगीर। दसवीं-बारहवीं सीजी बोर्ड एग्जाम 2026 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू है। प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर परीक्षा में शामिल होने के लिए 31 अक्टूबर तक फॉर्म भरे जा सकते हैं।

न्यायालय तहसीलदार कोरबा जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

1718
रा.प्र.क्र.-Q/अ-5/2024-25
ग्राम- दादरखुर्द, प.ह.नं.-21

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्जुन पिता दशरथ जाति उरांव निवासी उरांव बस्ती मानिकपुर कोरबा तहसील व जिला कोरबा द्वारा ग्राम दादरखुर्द प.ह.नं. 21 रा.नि.मं. दादरखुर्द स्थित भूमि ख.नं. मसाहती 626 नया ख.न. 849/1 रकबा 0.1840 हे., 849/2 रकबा 0.0180 हे., 849/3 रकबा 0.0180 हे., 849/4 रकबा 0.0200 हे. भूमि आवेदक एवं अन्य खातेदारों के नाम पर फौती नामांतरण के माध्यम से दर्ज हुआ। ग्राम दादरखुर्द पूर्व में मसाहती ग्राम था। मसाहती ख.नं. 626 का नया ख.नं. 849 बना है, जबकि आवेदक का काश्तकारी कब्जा ख.नं. 871, 872, 864 से लगी हुई भूमि में मकान बाड़ी, खेत बनाकर शांतिपूर्वक काश्तकारी करते आ रहे है, जो छ.ग.शासन मद में दर्ज हो गया है, जिससे उक्त भूमि में से 0.55 ए. आवेदक के नाम पर छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 89 के तहत अभिलेख दुरूस्त किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय दस्तावेज इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 31.10.2025 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

(सील)

तहसीलदार
कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, कोरबा

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक -20

(प्रथम बार)

क्रमांक/4051/टेण्डर/ग्रायांसेवा/2025 कोरबा,दिनांक 23.10.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में ''द'' वर्ग एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रायपुर द्वारा अनुसूची दिनांक 01.11.2021 को मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर ऑफलाईन (offline) प्रतिशत दर पर निविदा दिनांक 07.11.2025 समय 17.30 बजे तक ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सं. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रू. में)
1	2	3	4
1	नवीन भवन निर्माण कार्य शासकीय माध्यमिक शाला कछार ग्राम पंचायत कछार वि.खं. कोरबा	14.41	10808.00
2	नवीन भवन निर्माण कार्य शासकीय माध्यमिक शाला कुदमुरा ग्राम पंचायत कुदमुरा वि.खं. कोरबा	13.91	10433.00
3	नवीन भवन निर्माण कार्य शासकीय माध्यमिक शाला लालमाटी ग्राम पंचायत उरगा वि.खं. कोरबा	13.54	10155.00

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते,धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 23.10.2025 समय 15.30 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

(ए.के.जोगी)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा
जिला- कोरबा (छ.ग.)

जी-252604329/4

अनमोल वचन......

शिक्षा की जड़ें कड़वी होती हैं लेकिन फल मीठा होता है : अरस्तु

एसओपी तैयार किया जाना बेहद जरूरी

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से।

कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गईं। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है।

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

राशिफल

मेष : बुद्धिमत्ता द्वारा हर दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद की आशंका है। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी। घर में सामान्य माहौल रहेगा।

बृषभ : भावुकता पर नियंत्रण रखें। सगे-संबंधियों के बीच अपने अनुकूल अपेक्षा न रखें। माता के स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिंताएं रहेंगी। व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होती नजर आएंगी। रोजगार में लाभ के आसार हैं।

मिथुन : मन में कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं नकारात्मक विचार ला सकती हैं। संघर्ष के क्षणों में कुछ अच्छे आसारों से मन में प्रसन्नता संभव।

कर्क : भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी। मन कुछ घरेलू चिंताओं से मन ग्रसित रहेगा।

सिंह : किसी पुराने संबंधी के साथ निकटता बढ़ेगी। घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा।

कन्या : भौतिक आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। नये दायित्वों की पूर्ति हेतु परिश्रम तीव्र होगा। सगे-संबंधों मं व्यवहार कुशल बनें। कुछ नई अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। घर में खुशहाली रहेगी।

तुला : दुविधाओं को त्योग स्वच्छ योजनाओं पर केंद्रित हों। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह मिलेगा। सगे-संबंधियों से अपेक्षाएं रखना कष्टप्रद होगा। आवेश व उच्छृंखलता पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक : निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां मन में आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु : नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे। दूसरों की सफलता देख अपने अंदर हीनता न आने दें। दुनियादारी में समय देने से अच्छा होगा कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्टा करें।

मकर : भावनाओं पर नियंत्रण रख अपने दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कार्यों की समयानुकूल पूर्ति करने में सक्षम होंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कुंभ : कुछ नई आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था में मन चिंतित होगा। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन : भौतिक-सुख साधन हेतु व्यय संभव। राजनीतिज्ञों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, लेकिन सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कांग्रेस पूरी तरह से राहुल पर निर्भर

//अजीत द्विवेदी//

ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से राहुल गांधी पर निर्भर होती जा रही है। उनके बगैर कांग्रेस में न तो कोई फैसला हो पा रहा है और न कोई राजनीतिक गतिविधि चल पा रही है। यहां तक कि खुद राहुल की ओर से जो एजेंडा स्थापित किया जा रहा है उसको भी कांग्रेस के नेता आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं। उसके लिए भी राहुल का इंतजार हो रहा है। सोनिया गांधी के समय तक यह स्थिति नहीं थी। फैसलों के लिए जरूर सोनिया गांधी पर कांग्रेस की निर्भरता थी लेकिन बाकी राजनीतिक गतिविधियां स्वाभाविक रूप से चलती थीं। प्रदेशों के नेता वहां की जरुरत के हिसाब से काम करते थे। कांग्रेस जहां सरकार में थी वहां सरकार के कामकाज होते थे और जहां विपक्ष में होती थी वहां वह मजबूती से विपक्ष की भूमिका निभाती थी। जिन राज्यों में चुनाव होते थे वहां कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व चुनाव की तैयारी करता था। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस की सरकारों का कामकाज, पार्टी की राजनीतिक गतिविधियां और चुनाव अभियान सब कुछ अकेले राहुल गांधी पर निर्भर है।

इसे कांग्रेस की राजनीति पर नरेंद्र मोदी का प्रभाव कह सकते हैं। जिस तरह से नरेंद्र मोदी अकेले भाजपा की हर राज्य सरकार का संचालन करते हैं, हर राज्य की राजनीति संभालते हैं और लोकसभा से लेकर विधानसभा और नगर निगम के चुनाव लड़ाते हैं, यहां तक कि हर ट्रेन को हरी झंडी भी खुद ही दिखाते हैं उसी तरह कांग्रेस में राहुल गांधी की स्थिति हो गई है। फर्क यह है कि भाजपा में संगठन का एक बड़ा ढांचा है, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लोग हैं और नरेंद्र मोदी के पास अमित शाह हैं। इसके अलावा भी मोदी और शाह के दिशा निर्देश पर काम करने वाली प्रतिबद्ध लोगों की एक टीम भी है, जो राजनीतिक अभियानों को आगे बढ़ाती है तो बड़ी सफलता के साथ चुनाव प्रबंधन का भी काम करती है। बाकी सरकार में होने की जो सुविधाएं हैं वह तो अपनी जगह हैं ही। मुश्किल यह है कि राहुल गांधी के पास इनमें से कुछ भी नहीं है। तभी सब कुछ उनको खुद करना होता है और अगर वे नहीं होते हैं यानी विदेश चले जाते हैं या छुट्टी पर होते हैं तो पूरी कांग्रेस पार्टी छुट्टी पर चली जाती है।

जैसे अभी राहुल गांधी करीब दो हफ्ते के लिए दक्षिण अमेरिका के दौरे पर गए तो कांग्रेस पार्टी में सब कुछ ठहर गया। बिहार में विधानसभा चुनाव हो रहा है लेकिन राजद के साथ सीट बंटवारे की बातचीत अटकी रही तो कांग्रेस का प्रचार अभियान भी शुरू नहीं हुआ। राहुल जब दक्षिण अमेरिका के दौरे पर थे उसी समय चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी की। योगेंद्र यादव जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं और बिहार में सीपीआई एमएल ने इसमें गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया। खबर है कि करीब 10 हजार मतदाता ऐसे हैं, जिनके नाम काटते वक्त यह नहीं बताया गया है कि किस वजह से उनका नाम कटा है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने नाम काटने की तीन श्रेणियां बनाई हैं। एक श्रेणी मृत लोगों की है, दूसरी स्थायी रूप से शिफ्ट कर गए लोगों की है और तीसरी जिनके नाम एक से ज्यादा जगहों पर था। लेकिन 10 हजार नामों को इनमें से किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है और नाम काट दिया गया है।

सोचें, राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को कितना बड़ा मुद्दा बनाया था! वे दो हफ्ते तक बिहार में रहे थे और 23 जिलों की यात्रा की थी। कांग्रेस के साथ साथ उन्होंने राजद, लेफ्ट, वीआईपी सबको साथ रखा और दो हफ्ते तक इसी काम में लगाए रखा। लेकिन जब एसआईआर का काम अंतिम नतीजे पर पहुंचा यानी अंतिम मतदाता सूची आई तो राहुल गांधी भी गायब और पार्टी भी नदारद। न तो दक्षिण अमेरिका से राहुल गांधी का कोई बयान आया और न प्रदेश में उनकी पार्टी ने कोई विरोध प्रदर्शन किया। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी करते हुए कहा था कि 10 अक्टूबर को पहले चरण की अधिसूचना जारी होने से पहले तक नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया जा सकता है। हकीकत यह है कि 10 अक्टूबर तक नाम जोड़ने का एक भी आवेदन नहीं आया। क्या अब भी राहुल गांधी एसआईआर में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोप लगाएंगे। चुनाव आयोग ने जिस समय बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा की उस समय भी राहुल गांधी देश से बाहर थे। कायदे से तो चुनाव की घोषणा से पहले ही गठबंधन में घटक दलों के साथ सीटों का बंटवारा तय हो जाना चाहिए था। लेकिन चुनाव की घोषणा के बाद भी यह काम अटका रहा। कांग्रेस के नेताओं ने किसी तरह से इस बारे में फैसला नहीं होने दिया। भाजपा के गठबंधन एनडीए में भी देरी हुई लेकिन वहां यह काम प्रदेश के नेता, संगठन प्रभारी और चुनाव प्रभारी करते रहे, जबकि कांग्रेस में राहुल का इंतजार होता रहा। कांग्रेस की ओर से कहा जा सकता है कि राहुल की गैरहाजिरी का इस्तेमाल कांग्रेस दबाव डालने के लिए कर रही थी। लेकिन वह हकीकत नहीं है। कांग्रेस हर छोटे बड़े फैसले के लिए राहुल का मुंह देख रही है।

हरियाणा में दलित समाज के आईपीएस वाई पूरन कुमार ने गोली मार कर खुदकुशी कर ली, जिस पर करीब आठ दिन विवाद चला। पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत कुमार ने पति के शव का पोस्टमॉर्टम रूकवा दिया और कहा कि जब तक राज्य के पुलिस महानिदेशक और रोहतक के पूर्व एसपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता है तब तक वे पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगी। इसे लेकर चंडीगढ़ में वाल्मिकी समाज ने महापंचायत की। विवाद इतना बढ़ गया कि 17 अक्टूबर को राज्य सरकार के एक साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने का कार्यक्रम रद्द हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी पूरे पंजाब में कैंडल मार्च करती रही और भाजपा को दलित विरोधी ठहराने की राजनीति करती रही। लेकिन इस दौरान कांग्रेस पार्टी नदारद रही। राहुल गांधी विदेश से लौटे तो वे चंडीगढ़ गए और तब कांग्रेस पार्टी एक्शन में आई। सोचें, पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है। उसका संगठन भी मजबूत है। हरियाणा में करीब 20 फीसदी और पंजाब में 30 फीसदी से ज्यादा दलित आबादी है। पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी दलित राजनीति साधने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लेकिन इस मामले में भी उनकी पार्टी उनके भरोसे बैठी रही। अगले साल पश्चिम बंगाल और असम के साथ साथ पांच राज्यों के चुनाव हैं। लेकिन केरल छोड़ कर राहुल गांधी का भी कहीं का दौरा नहीं हुआ है। ध्यान नहीं आ रहा है कि वे आखिरी बार पश्चिम बंगाल कब गए थे। असम गए हए भी उनको कितना समय हो गया यह शायद उनको भी ध्यान नहीं होगा। एक तो वे खुद भी मोदी और शाह की तरह मेहनत नहीं कर पाते हैं और न 365 दिन 24 घंटे राजनीति में रमे रहते हैं और दूसरे उनकी पार्टी बिना उनके किसी राजनीतिक अभियान की कल्पना ही नहीं करती है। विपक्ष को जिस तरह से आक्रामक और सक्रिय रहना चाहिए वैसी आक्रामकता और सक्रियता सत्तारूढ़ दल में दिखती है, जबकि मुख्य विपक्षी पार्टी आलस की मारी दिखाई देती है। इसके बाद अगर चुनाव हार जाते हैं तो चुनाव आयोग, मतदाता सूची, ईवीएम, 'वोट चोरी' आदि की कहानी शुरू हो जाती है।

जीएसटी सुधार और भारतीय पर्यटन का नया सवेरा

//गजेंद्र सिंह शेखावत//

भारत में पर्यटन का अर्थ हमेशा ही मनोरंजन से कहीं बढ़ कर रहा है — यह सभ्यताओं के बीच संवाद, विरासत का वाहक और समावेशी विकास का उत्प्रेरक है। फिर भी, दशकों से, लद्दाख के मठों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री तटों तक, हमारी अद्वितीय विविधता के बावजूद, इसकी पूरी क्षमता का दोहन करों के अलग-अलग ढांचे और उच्च लागत के कारण नहीं हो पाया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल के सुधारों ने इस कहानी को अब बदलना शुरू कर दिया है।

वर्षों से, भारत का पर्यटन और आतिथ्य उद्योग एक जटिल कर व्यवस्था के बोझ तले दबा रहा है। सेवा कर, वैट, विलासिता कर जैसे कई तरह के करों ने भ्रम उत्पन्न किया और यात्रा की लागत बढ़ा दी। जीएसटी लागू होने से करों में सरलीकरण तो हुआ था, लेकिन हाल ही में दरों का युक्तिसंगत बनाया जाना भारतीय पर्यटन को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

होटल के 7,500 रुपये से कम शुल्क वाले कमरों पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है। मध्यम वर्गीय परिवार और कम खर्च में यात्रा करने वाले लोग, जो घरेलू पर्यटन की रीढ़ हैं, उनके लिए यात्रा अब अधिक किफायती हो गई है। उच्च अधिभोग दर, लंबे समय तक प्रवास और स्थानीय स्तर पर अधिक खर्च इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। कम अनुपालन लागत से छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए लाभप्रदता में सुधार हुआ है और औपचारिकता को बढ़ावा मिला है। यह पर्यटन के विस्तार और स्थायित्व की दिशा में शांत लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव है। पर्यटन कनेक्टिविटी के बल पर फलता-फूलता है। यात्री परिवहन पर, खासकर दस से ज़्यादा यात्रियों वाली बसों पर जीएसटी दर का 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरी और समूह यात्राएँ ज़्यादा सुलभ हो गई हैं। हेरिटेज सर्किट, इको-टूरिज्म पार्क और ग्रामीण पर्यटन स्थलों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। यह सुधार सस्ते टिकटों की उपलब्धता से कहीं बढ़कर है–यह क्षेत्रों को जोड़ने, यात्रा को सबके लिए सुलभ बनाने और छोटे टूर ऑपरेटरों को अपना कारोबार बढ़ाने का अवसर देने से संबंधित है। भारत के लिए, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता का एक सशक्त माध्यम है, वहीं किफायती यात्रा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार है।भारत का आकर्षण केवल उसके स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीवंत परंपराओं में भी निहित है। कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है जो लाखों कारीगरों के जीवनयापन का आधार है। स्थानीय बाज़ार में बिकने वाली हर हस्तनिर्मित कलाकृतियों पर भारत की सांस्कृतिक निरंतरता की छाप होती है। करों में कमी किया जाना यहाँ महज़ आर्थिक पहल भर नहीं है–यह एक सांस्कृतिक निवेश है।

आज पर्यटक प्रामाणिकता की तलाश में रहते हैं और जब वे हाथ से बुनी कांचीपुरम की साड़ी या चंदन की नक्काशीदार मूर्ति घर ले जाते हैं, तो वे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक हिस्सा अपने साथ ले जाते हैं। यह सुधार कारीगरों को सशक्त बनाता है, शिल्प समूहों को मज़बूत बनाता है और विरासत को विकास की कहानी का हिस्सा बनाता है। संभवतः जीएसटी का सबसे स्थायी लाभ स्पष्टता है। छोटे होटल, होमस्टे और ट्रैवल एजेंसियाँ अब राज्य-विशिष्ट करों की भूलभुलैया के बजाय एक ही निर्धारित ढाँचे के भीतर काम करती हैं। इससे अनुपालन में सुधार होता है, निवेशकों का विश्वास बढ़ता है और नवाचार के लिए जगह बनती है।औपचारिकीकरण उन हज़ारों छोटे ऑपरेटरों के लिए ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान तक पहुँच भी बनाता है, जो कभी अनौपचारिक रूप से काम किया करते थे। एक ऐसा क्षेत्र, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक महिलाओं और युवाओं को रोजगार देता है, यह एकीकरण परिवर्तनकारी है। पर्यटन अब केवल फुर्सत के क्षणों में आनंद उठाने से संबंधित उद्योग मात्र ही नहीं रह गया है, बल्कि उद्यमिता और आजीविका का प्रेरक भी बन चुका है।

वैश्विक स्तर पर, पर्यटक किस जगह की यात्रा करेंगे, यह वहाँ की मूल्य की प्रतिस्पर्धात्मकता पर निर्भर करता है। वर्षों से, भारत थाईलैंड और वियतनाम जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों से पीछे रहा है, जहाँ होटलों के कर की दर कम थी और शुल्क सरल थे। हाल ही में जीएसटी में बदलाव ने इस अंतर को कम कर दिया है। भारत अब वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी दरों पर–आयुर्वेदिक रिट्रीट से लेकर हेरिटेज होटल तक– विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है। परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। घरेलू पर्यटन रिकॉर्ड ऊँचाई पर पहुँच गया है और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। क्रूज़, वेलनेस, फ़िल्म और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों का तेज़ी से विस्तार हो रहा है। स्वदेश दर्शन 2.0, प्रसाद और वाइब्रेंट विलेज जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे एकीकृत प्रयास बुनियादी ढाँचे, नीति और सामुदायिक भागीदारी को और बेहतर बना रहे हैं।

पर्यटन वर्तमान में भारत के जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 80 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का आधार है। निरंतर सुधारों और बुनियादी ढाँचे में निवेश के साथ, यह 2030 तक आसानी से दोगुना हो सकता है। पर्यटन गतिविधि में प्रत्येक प्रतिशत की वृद्धि से कई गुना लाभ उत्पन्न होते हैं, जिनमें –रोज़गार, स्थानीय उद्यम, महिला सशक्तिकरण और विभिन्न संस्कृतियों के बीच परस्पर समझ का विस्तार शामिल है ।

जीएसटी सुधार कोई अलग-थलग राजकोषीय उपाय नहीं हैं; ये इस दर्शन का प्रतिनिधित्व करते हैं कि कराधान बाधा न बने, बल्कि सबके लिए आसान हो। ये यात्रा को और अधिक किफायती, उद्यम को अधिक व्यावहारिक और पर्यटन स्थलों को अधिक आकर्षक बनाते हैं। ये अर्थव्यवस्था की नब्ज को लोगों के और करीब लाते हैं।जिस प्रकार भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर अग्रसर है, विकसित भारत का सपना वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और सांस्कृतिक रूप से सशक्त पर्यटन इको-सिस्टम के बिना अधूरा रहेगा। दुनिया भारत को नए सिरे से जान रही है–न केवल एक गंतव्य के रूप में, बल्कि एक ऐसे अनुभव के रूप में जो परंपरा का आधुनिकता के साथ, अर्थव्यवस्था का संवेदना के साथ सामंजस्य बिठाता है। युक्तिसंगत जीएसटी, बेहतर कनेक्टिविटी, सशक्त कारीगरों और आत्मविश्वास से भरे उद्योग के साथ, भारत की पर्यटन गाथा इस दशक की सफलतम कहानियों में से एक बनने जा रही है - एक ऐसी कहानी जहां सुधारों का मेल पुनर्जागरण से होता है और हर यात्रा नए भारत के निर्माण में योगदान देती है।

खेलने की मजबूरी

यूएई में हुआ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट खेल से इतर बातों के लिए ज्यादा याद रखा जाएगा। यहां भारतीय खिलाड़ियों के कंधों पर अपनी सरकार और क्रिकेट बोर्ड की डगमगाहट को संभालने का बोझ भी डाल दिया गया था। एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम आरंभ से अंत तक चैंपियन की तरह खेली। जिस टूर्नामेंट में टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली पांच टीमें हों, वहां आसान मुकाबलों की अपेक्षा नहीं रहती। मगर फिलहाल भारतीय क्रिकेट टीम जिस ऊंचाई पर है, वहां से बाकी टीमें बौनी नजर आती रहीं। बहरहाल, यह तो खेल की बात है। मगर यूएई में हुआ यह टूर्नामेंट खेल से इतर बातों के लिए ज्यादा याद रखा जाएगा। यहां भारतीय खिलाड़ियों के कंधों पर अपनी सरकार और क्रिकेट बोर्ड की डगमगाहट को संभालने का बोझ भी डाल दिया गया था। प्रधानमंत्री की घोषणा के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ विराम दिया गया है- तकनीकी रूप से वह अभी भी जारी है। इस बीच सरकार ने यह ÷नया नॉर्मल स्थापित किया है कि पानी (सिंधु जल संधि के तहत) और खून (आतंकवादियों के हाथों) साथ-साथ नहीं बह सकते। फिर भी, जबकि भारत-और पाकिस्तान युद्धरत हैं, बीसीसीआई ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में भाग लेने का फैसला किया और केंद्र ने इसकी मंजूरी दी। जिस वक्त देश के सियासी दलों में एक दूसरे से अधिक पाकिस्तान विरोधी दिखने की होड़ लगी हो, तो लाजिमी ही था कि विपक्ष ने इस निर्णय को लेकर सरकार पर घेरा डाला। मीडिया नैरेटिव्स के जरिए उसे तोड़ने का जिम्मा खिलाड़ियों को दिया गया। नतीजतन, कप्तान सूर्य कुमार यादव पर टीम का नेतृत्व करने के साथ-साथ पाकिस्तानी कप्तान से हाथ ना मिलाने और उनकी ओर ना देखने जैसी ऐक्टिंग करने की जिम्मेदारी भी आ गई! इसी क्रम में ग्रुप मैच में पाकिस्तान पर भारत की जीत को उन्होंने 'भारत के सशस्त्र बलों' को समर्पित

तस्वीरों की दुनिया

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में पूर्व पार्टी अध्यक्ष सीताराम केसरी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

समस्तीपुर जिले में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान तथा अन्य।

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज का आवास, जो उनकी पत्नी सीमा राज, जो एक आईआरएस अधिकारी हैं, के नाम पर आवंटित है, को नई दिल्ली में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के संपदा निदेशालय द्वारा खाली कराया जा रहा है।

समस्तीपुर जिले में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (दाएं) और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के पूर्वी विंग के एक हिस्से को ध्वस्त करने का काम जारी है, जिसके बाद वहां एक नया बॉलरूम बनाया जाएगा।

पटना में छठ पूजा उत्सव के लिए लोग थोक फल बाजार से केले खरीदते हुए।

अमेरिकी सेना ने कैरिबियन सागर में छह ड्रग तस्करों को मार गिराया

हेगसेथ बोले- अल-कायदा की तरह खत्म करेंगे

वाशिंगटन। वेनेजुएला के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने दक्षिण अमेरिका से ड्रग्स की तस्करी करने के संदेह में कैरेबियन सागर में एक नाव पर हमला किया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। इस हमले के साथ ही ट्रंप प्रशासन के अभियान में संदिग्ध ड्रग नौकाओं पर हुए 10 हमलों में मृतकों की संख्या 43 हो गई है।इस बीच रयटर के अनुसार रक्षा मंत्री हेगसेथ ने घोषणा की कि अमेरिकी सेना दक्षिण अमेरिका के समुद्री क्षेत्र में विमानवाहक पोत तैनात करने वाली है। यह तैनाती कैरिबियन क्षेत्र में ट्रंप के सैन्य विस्तार का हिस्सा है, जिसमें आठ अतिरिक्त युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और एफ-35 विमान शामिल हैं। यह नहीं बताया गया है कि विमानवाहक पोत इस क्षेत्र में कब आएगा, लेकिन कुछ दिन पहले तक विमानवाहक पोत जिब्राल्टर जलडमरूमध्य से होते हुए यूरोप की ओर जा रहा था। फोर्ड को 2017 में कमीशन किया गया था। यह अमेरिका का सबसे नया विमानवाहक पोत है और दुनिया का सबसे बड़ा है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह हमला कैरेबियन सागर के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में रात में किया गया। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नार्को-आतंकी गिरोह के साथ वैसा ही व्यवहार करेंगे जैसा हम अल-कायदा के साथ करते हैं। दिन हो या रात, हम नार्को-आतंकी गिरोह के नेटवर्क का पता लगाएंगे, पीछा करेंगे और मार डालेंगे।उन्होंने कहा कि नाव का संचालन ट्रेन डी अरागुआ नामक संगठन द्वारा किया जा रहा था, जो उन कई लैटिन अमेरिकी आपराधिक समूहों में से एक है जिन्हें ट्रंप प्रशासन ने आतंकी संगठन घोषित किया है। रक्षा मंत्री ने अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं दिया।यह हमला गुरुवार को अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के तट तक दो सुपरसोनिक भारी बमवर्षक विमानों के उड़ान भरने के कुछ घंटों बाद हुआ।

लखनऊ में तीन मंजिल के अवैध गोदाम में लगी आग एक मजदूर झुलसा, 15 लड़कियों का किया गया रेस्क्यू

लखनऊ, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

अलीगंज स्थित सेक्टर-के में उस्मानपुर मोहल्ले में एक तीन मंजिला अवैध गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख कर इलाके में अफरातफरी मच गई। आग इतनी भयंकर थी कि पड़ोस में स्थित एक होस्टल तक पहुंच गई, जिसमें 15 से अधिक लड़कियां फंस गईं। सूचना मिलते ही दमकल की दस गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने अलग-अलग टीम बनाकर 15 लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान गोदाम में मौजूद एक मजदूर झुलस गया। आग पर काबू पाने के दौरान दो बार छज्जा गिरने से पांच दमकलकर्मी चोटिल हो गए। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अलीगंज रिषभ यादव ने बताया कि साढ़े चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा रहा है।अलीगंज के सेक्टर-के स्थित उस्मानपुर में अमरजीत सिंह का तीन मंजिला इमारत में फोटो फ्रेम का गोदाम है। पड़ोस में रवि नाम का युवक इसी तरह की एक इमारत में हास्टल चलाता है, जिसमें 15 से अधिक लड़कियां रहती हैं। शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे अचानक गोदाम में आग लग गई और लपटें उठने लगीं। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हास्टल में मौजूद लड़कियों ने बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन आग की लपटों ने उन्हें रोक लिया। गोदाम में मौजूद पांच मजदूरों में से चार तो भाग निकले, लेकिन सचिन नाम का एक मजदूर झुलस गया। सूचना मिलते ही दमकल की दस गाड़ियां बक्शी का तालाब, इंदिरानगर, हजरतगंज, गोमतीनगर समेत अन्य क्षेत्रों से मौके पर पहुंचीं।दमकलकर्मियों ने तीन टीम बनाकर

रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। एक टीम ने हास्टल में फंसी 15 लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाला। गाड़ियां अंदर नहीं पहुंच सकीं, इसलिए दो सौ मीटर तक पाइप बिछाकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार और मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।आसपास के मकानों में दरार आने पर पुलिस ने आसपास के घरों को खाली करवाते हुए सिलेंडर को दूर रखवाया। आग पर काबू पाने के दौरान दो बार छज्जा गिरने से पांच दमकलकर्मी घायल हो गए। एसीपी ने बताया कि साढ़े चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि फायरमैन महेंद्र कुमार बिंद, फायरमैन गंगामणि सिंह, फायरमैन अशोक कुमार, फायरमैन रजनीश और फायरमैन सुनील कुमार घायल हुए हैं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सकरी गली होने के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। इसके चलते दमकल कर्मी छज्जों पर चढ़कर किसी तरह पहुंच रहे थे। पुलिसकर्मियों ने किसी को वहां से हटाया नहीं था। पहली बार साढ़े आठ बजे पहली बार छज्जा गिरा तो पांच दमकलकर्मी घायल हो गए थे।

तब पुलिस ने स्थानीय लोगों को किनारे किया। फिर 9.10 और दो मिनट बाद तीसरी बार छज्जा गिरा। घटना इतनी विकराल थी कि तीन किलोमीटर दूर से ही धुआं दिख रहा था। पुरनिया चौराहे पर मौजूद तनमय राजपूत ने बताया कि आफिस से घर लौट रहे थे। तभी अलीगंज की तरफ से काला धुआं उठता देखा तो वह भी वहां पहुंच गए। लोगों में दहशत फैल गई। हर कोई घटना स्थल पर पहुंच रहा था। किसी तरह पुलिस सभी को घटना स्थल से दूर ले जा रही थी। उधर, बिल्डिंग मालिक घटना के दौरान वहां पर नहीं दिखा।मानक के हिसाब से हास्टल और गोदाम में सेटबैक और आग से बचाव के सभी उपकरण होने चाहिए। घटना के दौरान देखा गया कि गोदाम और हास्टल दोनों मानक के विपरित चल रहे थे। हास्टल में सिर्फ एक ही एंट्री और एग्जिट था।

ITBP वीरता और समर्पण का प्रतीक, पीएम मोदी बोले- कठिन परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करते हैं

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के स्थापना दिवस पर आइटीबीपी के कर्मियों को बधाई दी। इसके साथ ही उन्हें वीरता और समर्पण का प्रतीक बताया। आईटीबीपी की स्थापना 1962 में की गई थी। पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आईटीबीपी के हिमवीरों और उनके परिवारों को इस बल के स्थापना दिवस की शुभकामना। यह बल वीरता और समर्पण का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि वे सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों और कठिन जलवायु परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करते हैं। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं और बचाव कार्यों के दौरान उनके प्रयास लोगों में आईटीबीपी के प्रति बहुत गर्व का भाव पैदा करते हैं। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आइटीबीपी के जवानों को इसकी स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने चुनौतीपूर्ण इलाकों और कठोर जलवायु परिस्थितियों में राष्ट्र की गरिमा की रक्षा करने के लिए हिमवीरों की प्रशंसा की।

एक्स पर पोस्ट में शाह ने उनके साहस और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने शानदार मिसाल कायम की है। उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि दी।

सिर पर टोपी और हाथ में बैग... कर्नाटक में 60 साल के बुजुर्ग ने भरी सड़क पर पत्नी को चाकू गोदकर किया लहूलुहान

नई दिल्ली। कर्नाटक में एक व्यक्ति टोपी पहने हुए, एक हाथ में चाकू और दूसरे हाथ में प्लास्टिक का बैग लिए जा रहा है और अचानक ही अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर देता है। घटना का विचलित कर देने वाला वीडिया सामने आया है। यह घटना विजयपुरा में आनंद टॉकीज के पास सिंदगी कस्बे की है। घटना कैमरे में कैद हो गई और अब व्यापक रूप से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी यमनप्पा मदार (60) ने झगड़े के बाद अपनी पत्नी अनुसूया मदार (50) पर हमला कर दिया। वीडियो में यह व्यक्ति साड़ी पहने महिला का पीछा करते हुए और उस पर बार-बार धारदार हथियार से हमला करते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक जगह ऐसा भी दिखता है कि महिला सड़क पर गिर जाती है, लेकिन आदमी उसे मारता रहता है। महिला पर हमला करने के बाद वह आदमी भागता हुआ भी दिखाई देता है।

चेहरा पहचान तकनीक का विस्तार करेगा अमेरिका, दूसरे देश के नागरिकों पर रखेगा कड़ी नजर

वाशिंगटन। अमेरिका वीजा अवधि से अधिक समय तक रुकने और पासपोर्ट धोखाधड़ी से निपटने के लिए देश में प्रवेश करने और छोड़ने वाले गैर-नागरिकों पर नजर रखने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक के इस्तेमाल का विस्तार करेगा।एक नए नियम के तहत अमेरिकी सीमा प्राधिकारियों को हवाई अड्डों, बंदरगाहों, भूमि क्रॉसिंगों और किसी भी अन्य प्रस्थान बिंदु पर गैर-नागरिकों की तस्वीरें लेने की आवश्यकता होगी, जो पहले के पायलट कार्यक्रम का विस्तार है।26 दिसंबर से लागू होने वाले इस नियम के तहत प्राधिकारी अन्य बायोमीट्रिक्स, जैसे फिंगरप्रिंट या डीएनए की मांग कर सकते हैं। यह नियम सीमा अधिकारियों को 14 साल से कम उम्र के बच्चों और 79 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए भी चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। अबतक ये इससे मुक्त हैं।

बंगाल भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ हाई कोर्ट सख्त, एसआईटी को सौंपी जांच

कोलकाता, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं सुवेंदु अधिकारी व अर्जुन सिंह के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।कोर्ट ने बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ दर्ज चार मामलों की जांच सीबीआई और बंगाल पुलिस के संयुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपने का आदेश दिया।दूसरी ओर कोर्ट ने गोलीबारी मामले में भाजपा नेता व पूर्व सांसद अर्जुन सिंह की उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद करने की याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने सुवेंदु अधिकारी और राज्य के बीच तीन मामलों में फैसला सुनाते हुए राहत को वापस ले लिया। न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने सुवेंदु के खिलाफ राज्यभर में 15 मामलों में दर्ज प्राथमिकी को रद करने का भी आदेश दिया। न्यायमूर्ति राजशेखर ने दिसंबर 2022 में सुवेंदु को संरक्षण प्रदान करते हुए राज्य पुलिस को निर्देश दिया था कि कोर्ट की अनुमति के बिना उनके खिलाफ कोई और प्राथमिकी दर्ज न की जाए।

अधिकारी ने अदालत के समक्ष दावा किया था कि राज्य में सत्तारूढ़ सरकार के इशारे पर उन्हें जनप्रतिनिधि के रूप में अपना कार्य करने से रोकने के लिए राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में उनके खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं।कोर्ट ने कहा कि बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मुरलीधर शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) अर्जुन सिंह के खिलाफ गोलीबारी मामले की जांच करेगा। कोर्ट ने कहा कि अर्जुन इस मामले में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस वर्ष 26 मार्च की रात अर्जुन के घर के सामने गोलीबारी की घटना हुई थी।

इटली में कैथोलिक पादरियों पर 4,400 लोगों से यौन शोषण का आरोप

इटली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

इटली में 2020 से रिपोर्ट किए गए मामलों में कैथोलिक पादरियों पर लगभग 4,400 लोगों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। यह दावा पीड़ितों के एक समूह ने शुक्रवार को किया है। दुर्व्यवहार पीड़ितों के समूह रेटे ल अबुसो द्वारा दिया गया आंकडा पीड़ितों के बयानों, न्यायिक स्त्रोतों और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए मामलों पर आधारित है। रेटे ल अबुसो ने यह नहीं बताया कि दुर्व्यवहार के मामले कितने समय पहले घटित हुए थे।एक प्रवक्ता ने कहा कि इतालवी बिशप सम्मेलन ने निष्कर्षों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वैश्विक कैथोलिक चर्च दशकों से बाल यौन शोषण करने वाले पादरियों और उनके अपराधों के ढकने की कोशिश कर रहा है। इटली में स्थानीय चर्च ने इस मुद्दे का सामना करने में कम तत्परता दिखाई है। नए पोप लियो ने इस सप्ताह पहली बार पादरियों द्वारा यौन शोषण के शिकार लोगों से मुलाकात की। उन्होंने चर्च के नए बिशपों को ऐसे आरोपों को छिपाने से मना किया है। उनके पूर्ववर्ती दिवंगत पोप फ्रांसिस ने इस मुद्दे को अपने 12 वर्षीय पापल कार्यकाल की प्राथमिकता बनाई, लेकिन इसके परिणाम मिश्रित रहे।

दुनियाभर के देश क्यों बढ़ा रहें हैं अपना गोल्ड रिजर्व? रिसर्च में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिका ने हाल में रूस की सरकारी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इससे भारत और चीन सहित दूसरे रूस से तेल खरीदने वाले देशों के लिए चुनौतियां पैदा हो गई हैं। वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें पांच प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। वैश्विक भू राजनीतिक परिदृश्य पहले से अस्थिर है और ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में असुरक्षा का वातावरण पैदा कर दिया है। रूस- यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज करने और अन्य प्रतिबंधों ने यह साफ कर दिया है कि डालर को रणनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में चीन, रूस और भारत सहित तमाम देश अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ा रहे हैं। यही कारण है कि पिछले छह माह में सोने की कीमतें 65 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। आइये जानते हैं कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी क्यों कर रहे हैं और इससे डालर के प्रभुत्व को कैसे खतरा पैदा हो गया है।दुनिया के तमाम देशों का अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाने का मुख्य कारण वैश्विक अस्थिरता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं

में वैश्विक वृद्धि दर दो प्रतिशत से नीचे अटकी हुई है। इसके बावजूद, मुद्रास्फीति स्थिर है। इस स्थिति में, पारंपरिक सुरक्षित परिसंपत्तियों जैसे सावरेन बांड से मिलने वाला रिटर्न भरोसेमंद नहीं रह गया है। जब केंद्रीय बैंकों का डालर जैसी मुद्राओं में विश्वास कम हो जाता है, तो वे ठोस चीजों की तलाश में निकलते हैं। सोने के साथ कोई जोखिम नहीं जुड़ा है। सोना आप कभी भी बेच सकते हैं। यह कभी डिफाल्ट नहीं कर सकता है और न ही प्रतिबंध लगा कर इसे फ्रीज किया जा सकता है।केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड रिजर्व में वृद्धि का कारण जोखिम के खिलाफ खुद को मजबूत करने के उपाय से बढ़ चुकी है। यह कदम काफी हद तक डी डालराइजेशन से प्रेरित है। डी डालराइजेशन का मतलब है कि डालर पर अपनी निर्भरता कम करने का प्रयास। चीन, भारत, रूस, तुर्किये और मध्य पूर्व के कई देश इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। गोल्ड रिजर्व बढ़ाने से प्रतिबंधों से सुरक्षा मिलती है, मौद्रिक विश्वसनीयता मजबूत होती है और वित्तीय स्थिरता बढ़ती है। इसके अलावा, यह तेजी से बहुध्रुवीय होती वित्तीय व्यवस्था में स्वतंत्र मौद्रिक नीति के लिए लचीलापन भी प्रदान करता है।

कई देशों के केंद्रीय बैंक 2025 में सामूहिक रूप से लगभग 900 टन सोना खरीद सकते हैं। यह लगातार चौथा वर्ष होगा जब औसत से अधिक खरीदारी होगी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के केंद्रीय बैंक स्वर्ण भंडार सर्वेक्षण के अनुसार, 76 प्रतिशत केंद्रीय बैंकों को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में उनके पास सोने का अनुपात अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार इस खरीदारी ने, उच्च वैश्विक ब्याज दरों के बावजूद, सोने की कीमतों के लिए एक संरचनात्मक आधार तैयार कर दिया है।

...तो आप एक एसेट हैं, सिलिकॉन वैली सेक्स वायरफेयर पर एलन मस्क ने ऐसे ली चुटकी

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने उस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें यह दावा किया गया है कि चीनी और रूसी एजेंट धोखा और प्रलोभन के जरिये अमेरिकी टेक उद्योग को निशाना बना रहे हैं। इसे सिलिकॉन वैली सेक्स वायरफेयर बताया जा रहा है। टेस्ला के सीईओ ने ब्रिटिश अखबार द टाइम्स की रिपोर्ट का स्क्रीनशाट पोस्ट किया और मजाकिया लहजे में लिखा कि आप निशाने पर हैं। द टाइम्स में महिला जासूस सिलिकान वैली से खुफिया जानकारी चुराने के लिए सेक्स वार कर रही हैं शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। अमेरिका में सिलिकॉन वैली फेसबुक, गूगल और एपल जैसी प्रमुख टेक कंपनियों का वैश्विक केंद्र है।मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अगर वह 10 में से 10 हैं तो आप एक एसेट हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट पोस्ट साझा किया है। उनका यह पोस्ट खूब प्रसारित हो रहा है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि चीन और रूस टेक कर्मचारियों को जाल में फंसाने के लिए खूबसूरत महिलाओं को भेज रहे हैं। लक्ष्य साधने के लिए वे उनके साथ शादी तक कर रही हैं और उनके साथ बच्चे भी पैदा कर रही हैं। अखबार के अनुसार, चीन के साथ कामकाज में जोखिम के बारे में अमेरिकी कंपनियों की मदद करने वाली कंपनी पामिर कंसल्टिंग के मुख्य खुफिया अधिकारी जेम्स मुलवेनन ने बताया कि जासूस के रूप में काम कर रहीं महिलाओं ने हाल ही में उन्हें निशाना बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि ये महिलाएं अमेरिकी प्रौद्योगिकी के बारे में गुप्त जानकारी हासिल करने के लिए रोमांटिक या यौन संबंध बनाने की कोशिश करती हैं।

यूपी के प्रयागराज का शातिर बुआ के घर रहकर बना साइबर ठग, पांच गिरफ्तार

जामताड़ा, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस के हत्थे चढ़ा यूपी के प्रयागराज स्थित सराइनाइत थाना क्षेत्र के जैतपुर गांव (हनुमानगंज) का रहने वाला मो समीर अपनी बुआ के घर रहकर साइबर ठगी कर रहा था। समीर ने अपनी बुआ के घर करमाटांड़ थाना क्षेत्र के कुर्बा में रहकर साइबर ठगी का धंधा सीखा और धीरे-धीरे इसमें पारंगत हो गया। उसने प्रयागराज में भी साइबर ठगों का एक गैंग बना रखा है और उनके मार्फत साइबर ठगी का धंधा करवा रहा। वह पिछले काफी समय से अपनी बुआ के घर पर ही रह रहा था। उसके साथ पुलिस की गिरफ्त में आया शातिर सिराज अंसारी व शाहबुद्दीन अंसारी नारायणपुर थाना क्षेत्र के तारासेठिया का रहनेवाला है। जबकि असलम अंसारी और तौसिब अंसारी करमाटांड़ थाना क्षेत्र के कुर्बा का रहने वाला है। इस बात की जानकारी शुक्रवार देर शाम प्रेस कांफ्रेस के दौरान जामताड़ा एसपी राजकुमार मेहता ने दी। एसपी मेहता ने बताया कि ये शातिर लोगों को एसबीआई व अन्य बैंकों का डेबिट व क्रेडिट कार्ड बंद होने का झांसा देकर ठगी का शिकार बना रहे थे।

सभी नारायणपुर थाना क्षेत्र में पिपराटांड़ स्थित एक पत्थर खदान के पास सुनसान ठिकाने पर बैठकर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। आरोपितों के पास से छापामारी के दौरान 11 मोबाइल, 15 सिम, चार एटीएम कार्ड, एक आधार, एक पैन व एक बाइक बरामद हुआ है। सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस की जांच के दौरान पता चला है कि गिरफ्त में आया असलम अंसारी के खिलाफ चार जनवरी 2024 में जामताड़ा साइबर थाने में केस दर्ज हुआ है। जबकि तौसिब के खिलाफ 21 जनवरी 2025 को साइबर ठगी के मामले में देवघर साइबर थाने में केस दर्ज हो चुका है। इन शातिरों के निशाने पर इन दिनों बिहार, पश्चिम बंगाल व झारखंड के लोग थे। आरोपितों ने अलग-अलग तरीकों से अब तक दर्जनों लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाया है।

पाकिस्तान के रक्षा बजट का आधा तो छठ पर्व पर खर्च करेंगे भारतीय, स्वदेशी को देंगे बढ़ावा

नईदिल्ली, 25 अक्टूबर [एजेंसी]।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ को पूरे देश में आस्था, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाता है। शनिवार को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय पर्व का शुभारंभ हो जाएगा। खास बात यह है कि अकेले इस पर्व में ही देश के लोग पाकिस्तान के रक्षा बजट का आधा खर्च करेंगे, जो स्वदेशी को भी बड़ी मजबूती देगा।छठ पूजा के दौरान इस वर्ष पूरे देश में 38 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है, जबकि पाकिस्तान का कुल रक्षा बजट 76 हजार करोड़ रुपये है। कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने यह अनुमान जताते हुए कहा है कि पूर्वांचल से निकलकर अब छठ पर्व देश के कई राज्यों में मनाया जाने लगा है। इससे इस पर्व के दौरान होने वाले कारोबार में भी बढ़ोतरी होती गई है।छठ पर्व पर देशभर में करीब 15 करोड़ श्रद्धालुओं के व्रत, स्नान, अर्घ्य और पूजा के पारंपरिक विधान में शामिल होने का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में छठ का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। पूर्वांचली समाज के लोग जहां भी रहते हैं, वहां वे इस पर्व को पूरी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। केवल दिल्ली में छह हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने का

अनुमान है।छठ पूजा से संबंधित प्रमुख वस्तुओं में सूप, दौरा, डलिया, मिट्टी के दीपक, बांस की टोकरी, सुथनी, फल विशेषकर केला, नारियल, सेब, गन्ना, नींबू, गेहूं और चावल का आटा, मिठाइयां, प्रसाद के लिए ठेकुआ, पूजा सामग्री, साड़ी और पारंपरिक वस्त्र, सजावट सामग्री, दूध और घी, पूजा पात्र, टेंट व सजावट के सामान आदि शामिल हैं।इसी तरह, पारंपरिक परिधान जैसे साड़ियां, लहंगा-चुन्नी, सलवार-कुर्ता (महिलाओं के लिए) और कुर्ता-पायजामा, धोती (पुरुषों के लिए) की खरीदारी भी बड़े पैमाने पर होती है। इन दिनों छठ के लिए खरीदारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। हस्तनिर्मित स्वदेशी वस्तुएं भी बड़ी मात्रा में बिक रही हैं।

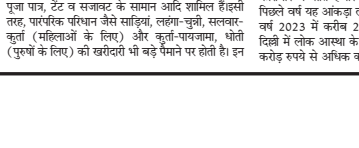

पूजा में उपयोग की जाने वाली अधिकांश वस्तुएं स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा निर्मित होती हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और कुटीर उद्योग को मजबूती मिल रही है।छठ पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो सामाजिक एकता और समर्पण का प्रतीक है। इस पर्व से स्थानीय उत्पादकों, व्यापारियों और लघु उद्योगों को सीधा लाभ पहुंचता है। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फार लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल मिल रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष छठ के कारोबार में सात हजार करोड़ रुपये की वृद्धि संभव है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 31 हजार करोड़ रुपये और वर्ष 2023 में करीब 27 हजार करोड़ रुपये था। अकेले दिल्ली में लोक आस्था के इस महापर्व पर लगभग छह हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने की उम्मीद है।

क्या आप फर्श साफ करते समय ये गलतियां तो नहीं करते? चली जाएगी चमक

फर्श को साफ करना एक जरूरी काम है, लेकिन अक्सर हम अनजाने में कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिससे फर्श ज्यादा गंदा लगता है। इन गलतियों के कारण न केवल फर्श की चमक कम हो जाती है, बल्कि उसमें दाग-धब्बे भी पड़ जाते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका फर्श हमेशा साफ और चमकदार रहे।

पानी का ज्यादा उपयोग करना

अधिकतर लोग फर्श को साफ करने के लिए बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते हैं। इससे क्या होता है कि पानी फर्श में समा जाता है और सूखने के बाद उसमें दाग रह जाते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप जितना संभव हो उतना कम पानी का इस्तेमाल करें और फर्श को साफ करने के बाद उसे हवा से सुखाएं ताकि उसमें नमी न रहे।

गलत सफाई उत्पाद का उपयोग करना

फर्श को साफ करने के लिए कई तरह के सफाई के सामान उपलब्ध होते हैं, लेकिन हर सामान हर प्रकार के फर्श पर उपयुक्त नहीं होता है। कुछ सामान बहुत तेज होते हैं, जो लकड़ी या संगमरमर के फर्श को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हमेशा अपने फर्श के प्रकार के अनुसार ही सफाई का सामान चुनें और उसे सही मात्रा में ही उपयोग करें ताकि आपका फर्श लंबे समय तक नया जैसा बना रहे।

पोछे को अच्छे से न निचोड़ना

पोछे को अच्छे से निचोड़ना बहुत जरूरी होता है। अगर आप पोछे को अच्छे से नहीं निचोड़ते हैं तो पानी वापस फर्श पर आ जाता है और सूखने के बाद उसमें धब्बे पड़ सकते हैं। इसलिए हर बार पोछे को अच्छे से निचोड़कर ही फर्श को साफ करें। इससे आपका फर्श चमकदार रहेगा और उसमें कोई दाग-धब्बा नहीं रहेगा। इस तरह से आप अपने घर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

गंदे पोछे का उपयोग करना

अगर आप गंदे पोछे से फर्श को साफ करते हैं तो इससे फर्श और भी ज्यादा गंदा हो सकता है। इसलिए हर बार पोछे का उपयोग करने के बाद उसे अच्छे से धो लें और धूप में सुखाएं ताकि वह साफ रहे और उसमें कोई बदबू न आए। इसके अलावा महीने में एक बार पोछे को गर्म पानी और साबुन से धोकर धूप में सुखाएं। इससे आपका पोछा हमेशा साफ-सुथरा रहेगा और आपके फर्श पर कोई दाग नहीं लगेगा।

गलत दिशा में पोछा चलाना

फर्श को साफ करने के दौरान पोछे को गलत दिशा में चलाने से भी दाग रह सकते हैं। हमेशा पोछे को उस दिशा में चलाएं, जहां पानी बहता हो यानी पीछे से आगे की ओर ताकि गंदगी आगे की ओर आए और फिर से पीछे न जाए। इसके अलावा पोछे को एक ही जगह पर बार-बार न घुमाएं क्योंकि इससे भी दाग रह सकते हैं। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने घर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

अमायरा दस्तूर ने रेड ड्रेस में दिखाया हाटनेस का नया लेवल, किलर पोज से मचाई सनसनी

एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी हाट और ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. इस बीच उनका लेटेस्ट फोटोशूट सामने आया है, जिसमें वह हाटनेस का नया लेवल दिखाती नजर आ रही हैं. इन फोटोज में वह रेड कलर की टाप और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं. उनका यह बोल्ड और स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है.

एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी हाट और ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. इस बीच उनका लेटेस्ट फोटोशूट सामने आया है, जिसमें वह हाटनेस का नया लेवल दिखाती नजर आ रही हैं. इन फोटोज में वह रेड कलर की टाप और मैचिंग पैंट में नजर आ रही हैं. उनका यह बोल्ड और स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है.

अमायरा की इन फोटो को सोशल मीडिया पर काफी लाइक्स और कमेंट्स मिल रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, तू मेरे मैं तेरे सामने जब तलक... ये जमीन ये फलक खूबसूरत लगे. दूसरे ने लिखा, कैसे तारीफ करूं आपकी तारीफ शब्द कम है आपके लिए. एक ने तो यह तक कह दिया, मैं व्रत करने को तैयार हूं, भगवान से मैं ये मागूंगा जीएफ हो तो आपके जैसी हो.

अमायरा दस्तूर की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं. उनके फैंस और फालोअर्स उनकी खूबसूरती और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं. अमायरा ने अपनी लेटेस्ट फोटोज से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है.

अमायरा दस्तूर ने इन तस्वीरों में अपनी अदाओं से फैंस को दीवाना बना दिया है. वह हर तस्वीर में एक अलग और शानदार पोज दे रही है, जो उनकी स्टाइलिंग और कान्फिडेंस को दर्शाता है. उनका यह लुक काफी यूनिक और ग्लैमरस है.

अपनी हाटनेस और ग्लैमरस लुक से अमायरा ने इंस्टाग्राम पर तहलका मचा दिया है. उनकी ये तस्वीरें बताती हैं कि वह अपने फैंस को सरप्राइज देने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. उनकी इस लेटेस्ट पोस्ट ने सभी को दीवाना बना दिया है.

जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा 2 का एलान, मेकर्स ने जारी किया पोस्टर

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने एक बार फिर दर्शकों को सरप्राइज दिया है। उनकी ब्लाकबस्टर फिल्म देवरा के रिलीज़ हुए एक साल पूरे होने के मौके पर इसके सीक्वल देवरा 2 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। यह खबर सामने आते ही फैंस सोशल मीडिया पर जश्न मना रहे हैं। पिछले साल 27 सितंबर को रिलीज हुई देवरा को तेलुगु सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन-ड्रामा फिल्मों में गिना गया। फिल्म में जूनियर एनटीआर ने पिता और बेटे दोनों की भूमिकाएं निभाईं, जिसे दर्शकों ने बेहद सराहा। निर्देशक कोराटाला शिवा की कहानी और शानदार प्रस्तुति ने फिल्म को यादगार बना दिया। रिलीज़ के बाद से ही चर्चा होने लगी थी कि कहानी अधूरी है और सीक्वल बनना तय है। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि एक साल पहले जब सिनेमा में तूफ़ान उठा था, उसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। अब वक्त है उस तूफान की अगली लहर का। इस ऐलान ने फैंस के बीच देवरा 2 को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। पहली फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने तेलुगु इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया था। इसके अलावा प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टाम चाको, नरेन, कलैयारासन और मुरली शर्मा जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा थे। इन सभी की शानदार अदाकारी ने फिल्म को और भी मज़बूत बनाया। उम्मीद की जा रही है कि सीक्वल में भी यह कास्ट दर्शकों को देखने को मिलेगी। हाल ही में जूनियर एनटीआर बालीवुड फिल्म वार 2 में भी नजर आए, जिसने उनके स्टारडम को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत किया। ऐसे में देवरा 2 उनके करियर की सबसे हाई-प्रोफाइल फिल्मों में गिनी जा रही है। पहली फिल्म के अंत में जिस तरह का क्लिफहैंगर दिखाया गया था, उसने दर्शकों को सीट से हिलने नहीं दिया।

सिरदर्द से परेशान हैं? इन 5 पेय को डाइट में करें शामिल, मिलेगा आराम

शारीरिक और मानसिक थकान के कारण सिरदर्द होना एक आम समस्या है। अगर आप सिरदर्द से राहत पाने के लिए दवाओं का सेवन नहीं करना चाहते हैं तो कुछ पेय का सेवन कर सकते हैं। ये पेय न केवल आपके शरीर को हाइड्रेट रखते हैं, बल्कि सिरदर्द को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे पेय के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन सिरदर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकता है।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय का सेवन सिरदर्द के लिए एक असरदार घरेलू उपाय हो सकता है। इसमें मौजूद मेंथाल तत्व मस्तिष्क की नसों को आराम पहुंचाकर दर्द को कम कर सकता है। इसके अलावा पुदीने की चाय पीने से शरीर को ठंडक मिलती है और तनाव भी कम होता है। लाभ के लिए एक कप पानी में कुछ पत्तियां पुदीना डालकर उबालें, फिर इसे छानकर पीएं। आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी एक प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है और सिरदर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी तत्व होते हैं, जो मस्तिष्क के तनाव को कम करते हैं। इसके अलावा नारियल पानी में प्राकृतिक मिठास होती है, जो ऊर्जा प्रदान करती है और थकान को दूर करती है। लाभ के लिए ताजा नारियल पानी का सेवन करें, जो बिना किसी मिलावट के हो।

ग्रीन टी

ग्रीन टी एंटी-आक्सीडेंट्स से भरपूर होती है, जो मस्तिष्क की नसों को आराम पहुंचाने में मदद कर सकती है। इसमें कैफीन की मात्रा कम होती है, जिससे यह सिरदर्द के लिए सुरक्षित पेय बनती है। इसके अलावा ग्रीन टी में मौजूद एक खास अमीनो एसिड तनाव को कम करने में मदद करता है। लाभ के लिए रोजाना 1-2 कप ग्रीन टी का सेवन करें, जिससे आपको सिरदर्द से राहत मिलेगी और आपका मन भी शांत रहेगा।

अदरक की चाय

अदरक की चाय में मौजूद सूजन कम करने वाले गुण सिरदर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। अदरक में मौजूद खास तत्व रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं, जिससे दर्द कम होता है। इसके अलावा अदरक की चाय पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और थकान दूर होती है। लाभ के लिए एक कप पानी में कुछ टुकड़े अदरक डालकर उबालें, फिर इसे छानकर पीएं। आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय एक हर्बल पेय है, जो नींद लाने में मदद करती है और तनाव कम करती है, जिससे सिरदर्द भी ठीक होता है। कैमोमाइल में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो सूजन कम करके दर्द से राहत दिलाते हैं। लाभ के लिए एक कप पानी में कुछ सूखे कैमोमाइल के फूल डालकर उबालें, फिर इसे छानकर पीएं। आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं, जिससे इसका स्वाद बेहतर होगा और यह और भी फायदेमंद होगी।

हुमा कुरैशी की नई फिल्म सिंगल सलमा का ऐलान, सनी सिंह-श्रेयस तलपड़े संग करेंगी कामेडी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जाली एलएलबी 3 में देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्षय कुमार की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। उनकी यह फिल्म बाक्स आफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब हुमा की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम सिंगल सलमा है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान नचिकेत सामंत ने संभाली है। इसके साथ सिंगल सलमा की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। सिंगल सलमा 31 अक्टूबर, 2025 को दर्शकों के बीच आएगी, फिल्म का पहला पोस्टर भा सामने आ गया है, जिसमें हुमा समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। पोस्टर में हुमा कुरैशी बिल्कुल सहज-स्वाभाविक अंदाज में नजर आ रही हैं. वे एक बेंच पर आराम से बैठी हैं, जैसे किसी गाड़ी का इंतजार कर रही हों. उनके बगल में एक पुराना-सा सूटकेस रखा है।

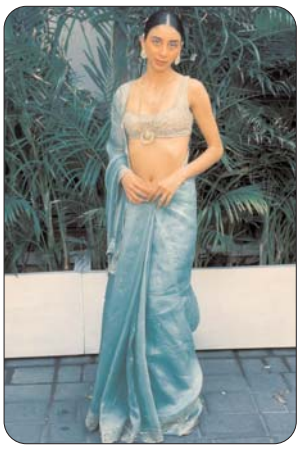

डाली सिंह ने इंस्टाग्राम पर किया वो कारनामा जो भारत का कोई क्रिएटर ना कर सका

कंटेंट क्रिएटर और अभिनेत्री डाली सिंह फिर चर्चा में हैं। इंफ्लुएंसर से अभिनेत्री बनीं डाली ने अब एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि न सिर्फ देश, बल्कि दुनियाभर में उनका डंका बज रहा है। दरअसल, वो इंस्टाग्राम का ग्लोबल 2025 रिंग्स अवार्ड पाने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर डाली ने ये पुरस्कार जीतकर भारत का मान दुनियाभर में रोशन कर दिया है। क्या है ये पुरस्कार और कौन हैं डाली सिंह, आइए जानें। इंस्टाग्राम ने 2025 रिंग्स विजेताओं की घोषणा कर दी है और दुनियाभर के 25 विजेताओं में से डाली भारत की एकमात्र विजेता हैं, जिन्हें ये सम्मान मिला है। इस महीने की शुरुआत में ही इंस्टाग्राम ने रिंग्स नाम के इस पुरस्कार की शुरुआत की, जो उन क्रिएटर्स को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है, जो न सिर्फ ओरिजनल कंटेंट बनाते हैं, बल्कि साथ ही साथ रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाने का साहस भी करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रिंग्स ऐसा पुरस्कार है, जो इंस्टाग्राम उन क्रिएटर्स को देता है, जो बिना डर के नए और अलग तरीके से कंटेंट बनाते हैं। ये पुरस्कार किसी खास कंटेंट को नहीं, बल्कि क्रिएटर के जज्बे को सम्मान देता है। ये उन लोगों के लिए है, जो सिर्फ चलन का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि उन्हें बदलते हैं, हर रुकावट को पार करते हैं और अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत दिखाते हैं। डाली उन्हीं में से एक हैं। डाली ने कहा, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। ये मेरे करियर के सबसे बड़े पलों में से एक है। जब भी इसके बारे में सोच रही हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस अवार्ड के लिए जो जूरी पैनल है, वो वाकई कमाल का है। ये सोचकर ही हैरानी होती है कि इतने प्रतिभाशाली और समझदार लोगों ने मेरा कंटेंट देखा है। मैं आगे भी ऐसा कंटेंट बनाना चाहती हूं।

सुपर स्टार महेश बाबू ने किया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

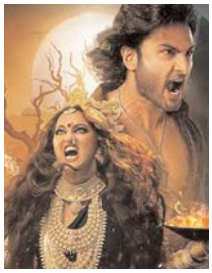

आखिरकार इंतज़ार खत्म हो चुका है और रहस्य और डर से भरी दुनिया जटाधारा का धमाकेदार ट्रेलर अब आधिकारिक रूप से लान्च हो चुका है, जिसे डिजिटली रिलीज़ किया है सुपरस्टार महेश बाबू ने। ट्रेलर रिलीज़ के साथ ही अब ये बात निश्चित हो चुकी है कि जटाधारा दर्शकों को एक गहरे, डरावने और शक्तिशाली सिनेमाई संसार में ले जाएगी। गौरतलब है कि वैंकट कल्याण द्वारा निर्देशित इस अलौकिक थ्रिलर में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं और दिव्या खोसला अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। जटाधारा एक ऐसी दुनिया की कहानी है, जहाँ काला जादू सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं बल्कि एक खतरनाक हथियार है, जो इंसानी नियंत्रण से परे शक्तियों को मुक्त करता है। भूली-बिसरी लोककथाओं में जड़ें जमाए यह कहानी महत्वाकांक्षा, लालच और प्राचीन अनुष्ठानों की परतें खोलती है, जो समय के साथ दफन नहीं हो पातीं। इसकी कहानी एक खजाने की खोज के रूप में शुरू होती है, और धीरे-धीरे एक भयावह अलौकिक दुनिया को उजागर करती है। इस अलौकिक दुनिया में न सिर्फ सदियों पुराने श्राप जाग उठते हैं, बल्कि बेचैन आत्माएँ अपना हक़ वापस लेने लौट आती हैं। इस संसार में आस्था और आधुनिकता के टकराव के साथ ही विश्वास तथा भय की सीमाएँ धुंधली पड़ती जाती हैं। ट्रेलर रिलीज़ के मौके पर जटाधारा के बारे में बात करते हुए निर्माता शिविन नारंग ने कहा, जटाधारा सिर्फ एक अलौकिक थ्रिलर नहीं है; यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों की उस गहराई में उतरने की यात्रा है, जहाँ मिथक सांस लेते हैं और अंधकार सुनता है। मैंने एक ऐसी दुनिया रचने की कोशिश की है, जहाँ हर अनुष्ठान में शक्ति होती है और हर दंतकथा की एक कीमत होती है। मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू ने अपनी बात साझा करते हुए कहा, यह मेरे करियर के सबसे गहन और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक है। कहानी की गहराई और ऊर्जा कुछ ऐसी है जैसी मैंने पहले कभी महसूस नहीं की। इसके साथ ही फिल्म की मुख्य नायिका अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जटाधारा को खास बनाता है, इसका अलौकिकता को मानवीय भावनाओं से जोड़ना। यहाँ डर केवल बाहर नहीं, बल्कि भीतर तक असर करता है और कहानी खत्म होने के बाद भी मन में बना रहता है।

शब्द सामर्थ्य - 205

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए, ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 204 का हल

टे	ड़ा	मे	ड़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

भागवत में जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी

अरशद वारसी की आगामी फिल्म का एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस आफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लाट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का आरोप लगा डॉक्टर पर, जांच कर रहा प्रशासन

कोरिया बैकुण्ठपुर। शहर में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का एक बड़ा मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, खसरा नंबर 781 रकबा 0.240 हेक्टेयर भूमि जो कि राजस्व अभिलेखों में शासकीय दर्ज है, उस पर शहर के एक प्रसिद्ध डॉक्टर द्वारा कथित रूप से अतिक्रमण कर भवन निर्माण कर लिया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और हल्का पटवारी को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त भूमि नगर सीमा के भीतर स्थित नही है, बल्कि राष्ट्रीय राज्य मार्ग से लगी हूई है। जिस पर लंबे समय से कब्जा कर निजी निर्माण किया गया है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि शासन की भूमि पर इस प्रकार से अवैध कब्जा प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक या गरीब व्यक्ति यदि कुछ फीट भूमि पर झोपड़ी डाल देता है, तो प्रशासन तुरंत बुलडोजर चलाकर उसे उजाड़ देता है, लेकिन जब बात प्रभावशाली या संपन्न व्यक्ति की आती है, तो कार्रवाई जांच के नाम पर ठंडी पड़ जाती है। सूत्रों ने बताया अब एक बार फिर से शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण का मामला सामने आने से प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। जनता यह जानना चाहती है कि क्या प्रशासन इस बार सख्त रुख अपनाएगा या फिर मामला फाइलों में ही दब जाएगा। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पटवारी को मौके का सीमांकन कर वास्तविक स्थिति की पुष्टि करने का निर्देश दिया गया है। यदि जांच में भूमि पर अवैध कब्जा प्रमाणित होता है, तो नियमों के तहत अतिक्रमण हटाने और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया है।

उनका कहना है कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए — चाहे वह गरीब हो या प्रतिष्ठित डॉक्टर। यदि गरीब का घर तोड़ा जा सकता है, तो प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ भी वैसी ही कार्यवाही की जानी चाहिए। पूर्व के कई मामलों में देखा गया है कि राजस्व विभाग ने जांच शुरू तो की, परंतु राजनीतिक दबाव या रसूखदारों के प्रभाव के चलते कार्यवाही नहीं हो पाई।

अब यह देखना बाकी है कि प्रशासन वास्तव में निष्पक्षता दिखाता है या यह मामला भी लंबित फाइलों की सूची में जुड़ जाता है। फिलहाल सभी की निगाहें पटवारी की जांच रिपोर्ट और जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। जनता उम्मीद कर रही है कि शासन की भूमि को बचाने के लिए प्रशासन इस बार बिना किसी दबाव के ठोस कदम उठाएगा।

प्रेस क्लब कोरिया की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

कोरिया बैकुंठपुर। जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को पत्रकार भवन प्रेमाबाग बैकुंठपुर में हुआ।

मुख्य अतिथि जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष वासुदेव मोहंती ने अध्यक्ष प्रवीन्द सिंह, उपाध्यक्ष राजेश राज गुप्ता एवं शराफत अली, सचिव योगेश चंद्रा, कोषाध्यक्ष कृष्ण विभूति तिवारी, संयुक्त सचिव जुही खातून तथा कार्यकारिणी सदस्य अनवर आलम, सरवर अली और धर्मेंद्र सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रवीन्द सिंह ने कहा कि जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। क्लब की प्राथमिकता निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना है। पत्रकार समाज की आवाज होते हैं, इसलिए उनकी एकजुटता और सशक्तिकरण अत्यंत आवश्यक है। क्लब जिले के पत्रकारों को एक मंच पर लाकर एकता की भावना को मजबूत करेगा और प्रशिक्षण, सुरक्षा बीमा तथा सामाजिक सहयोग जैसे ठोस कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार प्रशासन और समाज के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। प्रेस क्लब इस भूमिका को और सशक्त बनाते के लिए पत्रकारिता की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कार्य करेगा। वरिष्ठ पत्रकार सतीश गुप्ता ने कहा कि प्रेस क्लब का गठन पत्रकारों की सामूहिक शक्ति को संगठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संगठन को नीतिगत, पेशेवर और सामाजिक रूप से मजबूत बनाना सभी की जिम्मेदारी है। उपाध्यक्ष राजेश राज गुप्ता ने कहा कि क्लब पत्रकारों के हर सुख-दुख में साथ रहेगा। कोषाध्यक्ष कृष्ण विभूति तिवारी ने कहा कि संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए ठोस योजनाओं पर काम करेगा। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार नीरज गुप्ता, अशोक सिंह, अमित सोनी, अंकित अग्रवाल, प्रभात दास, कमरुनिसा, अजय ठाकुर, महेश साहू सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे। वरिष्ठ पत्रकार सतीश गुप्ता ने संगठनात्मक एकता, पत्रकारिता के मानक और नैतिक जिम्मेदारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं वरिष्ठ पत्रकारों ने संगठन को और मजबूत बनाने, पत्रकारों के प्रशिक्षण शिविर, संवाद कार्यशालाएं तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम करने पर बल दिया।

सिंचाई क्षमता में ढाई गुना वृद्धि 25 वर्षों में खेती का चेहरा बदला

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष में कोरिया जिले ने सिंचाई के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। पिछले 25 वर्षों में जिले की कुल सिंचित रकबा में ढाई गुना से अधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2000 में जिले का सिंचित रकबा 18 हजार 13 हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 21 हजार 102 हेक्टेयर तक पहुँच गया है।

यदि सिंचाई प्रतिशत की बात करें तो यह वर्ष 2000 में 13.72 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 34.55 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि जिले की कृषि व्यवस्था और जल संसाधन प्रबंधन में आए सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाती है। रबी फसलों के सिंचाई रकबे में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2000 में जहाँ मात्र 3 हजार 595 हेक्टेयर में रबी फसलों को सिंचाई सुविधा प्राप्त थी, वहीं अब यह क्षेत्र बढ़कर 5 हजार 469 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। जल संसाधन संभाग, बैकुंठपुर के अनुसार, वर्ष 2000 में जिले में 1 मध्यम और 63 लघु सिंचाई परियोजनाएँ संचालित थीं।वर्तमान में 2025 में यह संख्या 2 मध्यम और 58 लघु परियोजनाओं तक है। इस बीच अविभाजित कोरिया जिले की 43 लघु परियोजनाएँ नवगठित मनेंद्रगढ़ -चिरमिरी-भरतपुर जिले को हस्तांतरित की गई हैं। वर्ष 2000 में 28 हजार 619 किसान सिंचाई परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहे थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 40 हजार 210 तक पहुँच गई है। जिले में वर्तमान में कुल 60 सिंचाई परियोजनाएँ संचालित हैं, जिनमें से 2 प्रमुख हैं। यह उपलब्धि न केवल कोरिया जिले की कृषि उत्पादकता में वृद्धि का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और किसानों की जीवनशैली में आए सकारात्मक बदलाव का भी द्योतक है।

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष ने पार्षद पर लगाया गाली-गलौच और धमकी का आरोप

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम के दौरान हुई एक घटना ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार धामेचा ने वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद पंकज वाधवानी पर सार्वजनिक रूप से गाली-गलौच और मारपीट की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार यह घटना 16 अक्टूबर 2025 को गोंडवाना भवन, भानुप्रतापपुर में आयोजित कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम के दौरान घटित हुई। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में आए अतिथियों और उपस्थित पार्षदों के बीच जब चर्चा चल रही थी, तभी भवन के बाहर पार्षद पंकज वाधवानी ने अत्यंत अमर्यादित व्यवहार करते हुए गाली-गलौच की और विजय धामेचा को मारपीट की धमकी दी। नेता प्रतिपक्ष विजय धामेचा ने बताया कि श्री वाधवानी लगातार कांग्रेस पार्टी की नीतियों, विचारधारा और संगठनात्मक निर्णयों के विपरीत कार्य करते आ रहे हैं। साथ ही, वे स्थानीय स्तर पर भाजपा की नीतियों का विरोध करने के बजाय उसके समर्थन में सार्वजनिक रूप से बयान देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्षद द्वारा इस प्रकार का अपमानजनक आचरण सभी पार्षदों के मनोबल को तोड़ने और कांग्रेस संगठन की एकजुटता को कमजोर करने वाला है।

कैदियों को दिया गया मानसिक समस्याओं का समाधान एवं परामर्श

कोरिया बैकुंठपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरिया डॉ. प्रशांत सिंह के निर्देशानुसार तथा सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल एवं जिला कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ. कार्तिकेय सिंह के मार्गदर्शन में जिला जेल बैकुंठपुर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कैदियों में मानसिक तनाव, अवसाद और अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के समाधान हेतु महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

कार्यक्रम में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से चिकित्सा मनोवैज्ञानिक डॉ. सुमन कुमार एवं मनोचिकित्सा काउंसलर श्रीमती शीबा आठवले ने कैदियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों ने कैदियों को बताया कि मानसिक रोग केवल भावनाओं तक सीमित नहीं होते, बल्कि शरीर और व्यवहार पर भी सीधा असर डालते हैं। इसलिए लक्षण दिखाई देने पर समय पर उपचार और परामर्श लेना अत्यंत आवश्यक है। कार्यमक्रम के प्रथम चरण में मानसिक रोगों के प्रमुख कारणों जैसे — नकारात्मक विचार, तनाव, पारिवारिक समस्याएँ, सामाजिक अलगाव और नशे की लत के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही अवसाद, बेचैनी, नींद न आना, अत्यधिक क्रोध, आत्मविश्वास में कमी जैसे लक्षणों की पहचान करने के उपाय बताए गए। विशेषज्ञों ने कहा कि इन समस्याओं का समय रहते उपचार संभव है और पूरी तरह ठीक भी हुआ जा सकता है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में तनाव प्रबंधन से संबंधित विशेष वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें कैदियों को योग, ध्यान, सही श्वास तकनीक, कला अभिव्यक्ति और सकारात्मक सोच अपनाने की विधि बताई गई। उनका आत्मविश्वास बढ़ाने एवं मानसिक शांति प्रदान करने के लिए प्रेरक गतिविधियाँ भी कराई गईं। मानसिक समस्याओं से जूझ रहे चयनित कैदियों की अलग से काउंसलिंग और साइकोथेरेपी की गई। इस दौरान उन्हें मन की बात साझा करने का अवसर दिया गया जिससे उनके मानसिक बोझ में कमी लाई जा सके। विशेषज्ञों ने कहा कि खुलकर बातचीत करना मानसिक दबाव में सबसे अधिक लाभकारी होता है। भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल ञ्चद्गद्यद्ग-ञ्च्च्स के बारे में भी बताया गया। इस सुविधा के माध्यम से जरूरत पड़ने पर फोन पर ही मनोवैज्ञानिक परामर्श प्राप्त किया जा सकता है। कैदियों को यह बताया गया कि भविष्य में भी वे इस सेवा का लाभ उठाकर अपनी मानसिक स्थिति को संतुलित रख सकते हैं। अंतिम चरण में समूह आधारित गतिविधियाँ कराई गईं जिनसे कैदियों में टीम भावना, आपसी विश्वास और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा मिला। इससे एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ और कैदियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जेलर श्री आबिद राजा पूरे समय उपस्थित रहे। उन्होंने जिला स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य सुधार में अत्यंत मददगार साबित होंगे। साथ ही जेल कर्मचारियों का भी सराहनीय सहयोग रहा। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल संवेदनशीलता का उदाहरण है बल्कि यह संदेश भी देता है कि मानसिक स्वास्थ्य सभी के लिए महत्वपूर्ण है — चाहे वे किसी भी परिस्थिति में हों।

विशेष गहन पुनरीक्षण' की तैयारियों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का सम्मेलन संपन्न

कोरिया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन विगत दिनों नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने की। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित थे। देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया। आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को अपने-अपने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 'विशेष गहन पुनरीक्षण (एसाईआर) की तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण के पश्चात, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के प्रश्नों का समाधान भी किया गया। बैठक में आयोग ने पहले जारी किए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की, जिसके तहत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वर्तमान मतदाता सूची का पिछले एसआईआर के आंकड़ों से मिलान करने का कार्य सौंपा गया था। इसके अतिरिक्त आयोग ने असम, तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। यह सम्मेलन 10 सितंबर 2025 को आयोजित एसआईआर तैयारी सम्मेलन की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में आयोजित किया गया। उस दौरान सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने क्षेत्र में पिछले एसआईआर की अर्हता तिथि, मतदाताओं की संख्या और मतदाता सूची की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी थी।

कार से हजारों रुपए का सामान पार

रायपुर। वीआईपी स्टेट शंकरनगर में खड़ी कार का शीशा तोड़कर अज्ञात चोर ने महंगे गिफ्ट एवं डीवीआर कैमरा पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गौरीशंकर श्रीवास 45 वर्ष वीआईपी स्टेट शंकरनगर का रहने वाला है।

लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ आज से

घाटों की सफाई और तैयारियों में जुटे लोग, छठ गीतों से गूंज रहे गांव-शहर

कोरिया/बैकुंठपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां एमसीबी और कोरिया जिले में जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। यह पर्व सूर्य उपासना और शुद्ध आचरण का प्रतीक माना जाता है। सूर्यदेव और छठी मइया की उपासना के इस पावन पर्व को लेकर पूरे जिले में आस्था और उत्साह का माहौल है। शहर से लेकर गांवों तक गली-गली में छठ गीतों की मधुर धुनें गूंज रही हैं, वहीं घाटों की सफाई का काम भी तेजी से जारी है।

जिले के बैकुंठपुर क्षेत्र के बाजार पारा छठ घाट, गढ़ेल पारा छठ घाट, चरचा छठ घाट, हसदेव नदी तट, सोनहत, मनेंद्रगढ़, पटना और चिरमिरी क्षेत्र के प्रमुख घाटों पर नगर पालिका और ग्राम पंचायतों द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। घाटों पर सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। महिलाओं की टोली सुबह-शाम मिलकर घाटों की सफाई और सजावट में सहयोग कर रही हैं। इस बार छठ पर्व 25 अक्टूबर से शुरू होगा, जब व्रतिन नहाय-खाय की परंपरा निभाएंगे। इसके तहत श्रद्धालु नदी या तालाब में स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करेंगे। इसके बाद 26 अक्टूबर को खरना मनाया जाएगा, जब व्रतिन गुड़ की खीर और रोटी बनाकर पूजा के बाद प्रसाद के रूप में ग्रहण करेंगे। 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य दिया जाएगा, जब महिलाएं सूर्यास्त के समय नदी या तालाब के किनारे डूबते सूरज को अर्घ्य अर्पित करेंगी। वहीं 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को उषा अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ व्रत का समापन होगा। कोरिया जिले में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ व्रत रखेंगे। व्रतिन महिलाएं अब से ही गेहूं धोकर सुखाने और उसे शुद्धता से पीसने में जुटी हैं। बाजार में बांस की टोकरी, सुपली, डलिया, फल, नारियल, नींबू, गन्ना और छठ पूजा से जुड़ी वस्तुओं की मांग जोरों पर है। दुकानों में पूजन सामग्री, दीये, फल और सजावटी सामान की भरमार देखी जा सकती है। छठ पूजा के दौरान नदी घाटों पर भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती करने का निर्णय लिया है। महिला पुलिसकर्मी और स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें घाटों पर मौजूद रहेंगी। वहीं बिजली विभाग को घाटों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। छठ गीतों से अब गांव-गांव में भक्ति और उल्लास का माहौल है। महिलाएं केलवा जस पनिया..जैसे पारंपरिक गीत गाते हुए पूजा की तैयारियों में जुटी हैं। कोरिया जिले में यह पर्व केवल आस्था नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बन गया है। जैसे-जैसे छठ पर्व के दिन नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव बढ़ता जा रहा है। जिले का हर कोना सूर्य उपासना के इस अनुपम पर्व की पवित्र आभा में डूबने को तैयार है।

स्वास्थ्य सेवाओं में नई मिसाल जिले के खड़गवां सीएचसी को मिला आईएसओ प्रमाणपत्र

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए सरगुजा संभाग का पहला द्धस्न्ह प्रमाणित कोल्ड चेन प्वाइंट बनने का गौरव मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां ने हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह ग्राम खड़गवां में उनके सतत प्रयासों और दिशा-निर्देशों के परिणाम स्वरूप संभव हुई है। वहीं इस सफ्लता के पीछे सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम की निरंतर मेहनत का अहम योगदान रहा। कोल्ड चेन प्वाइंट खड़गवां को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन में पाया गया है, जिसके चलते इसे आईएसओ सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन, पारदर्शिता और दक्षता का प्रतीक माना जा रहा है। इस प्रमाणन के साथ खड़गवां सीएचसी ने टीकों और रसद के सुरक्षित, वैज्ञानिक और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप भंडारण की नई मिसाल कायम की है। यहां सभी टीके सीएफसी मुक्त और डब्ल्यूएचओ प्रमाणित सीसीई तिथि वाले उपकरणों में अनुशंसित तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। आरआई टीकों और रसद की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने के लिए ईवीआईएन के माध्यम से ऑनलाइन वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है। दिन में दो बार तापमान दर्ज कर टीकों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जाती है, वहीं वेब-आधारित डेटा लॉगर प्रणाली से उच्चस्तरीय सतत निगरानी भी की जाती है। टीकों की आपूर्ति में एफआईएफओ और ईईएफओ दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, जिससे शून्य अपव्यय सुनिश्चित हो रहा है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार व्हीव्हीएम आधारित आपूर्ति प्रणाली भी लागू की गई है। टीकों के भंडारण हेतु एक अलग निर्बाध बिजली आपूर्ति व्यवस्था, उचित रैंकिंग सिस्टम वाला सूखा भंडारण क्षेत्र, और प्रशिक्षित व दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता से यह केंद्र सरगुजा संभाग का मॉडल स्वास्थ्य संस्थान बन गया है। कोल्ड चेन प्वाइंट में सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपकरणों का सटीक प्रबंधन किया जा रहा है, साथ ही टीकाकरण अपशिष्ट निपटान प्रणाली को भी वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपनाया गया है।

नमी आने के कारण होगी प्रदेश में हल्की वर्षा

रायपुर। प्रदेश में नमी आने के कारण कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो रही है, ग्रामीण क्षेत्रों में जल्द पकने वाली फसलों की कटाई शुरू हो गई है। दीपावली पश्चात अगले महीने धान की कटाई में तेजी आएगी। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार दक्षिण छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से नमी आने कारण एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो रही है। इसके लगातार यही स्थिति बने रहने की संभावना है। जिसके कारण प्रदेश के दक्षिण भाग में हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की सम्भावना है। 25 एवं 26 अक्टूबर को कुछ स्थानों (मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ में) पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इधर राजधानी में मौसम बदलने के साथ ही हल्की ठंड लोगों को महसूस होने लगी है।

आदिवासी व अनुसूचित जाति छात्रावासों के लिए चिकित्सकों के आवेदन आमंत्रित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी आदेश के तहत विभागीय छात्रावासों और आश्रमों में निवासरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से स्वस्थ तन स्वस्थ मन योजना वर्ष 2007 के प्रावधानों के अंतर्गत शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सकों (एमबीबीएस/बीएएमएस) से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिले में संचालित ऐसे छात्रावास एवं आश्रम जहां नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, वहां विद्यार्थियों के चिकित्सीय परीक्षण स्थानीय स्तर पर अनुबंध के आधार पर कराए जाएंगे। इच्छुक चिकित्सकों से आवेदन पत्र 31 अक्टूबर 2025 सायं 5:30 बजे तक सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरिया के नाम से पंजीकृत डाक या सीधे कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह अनुबंध शैक्षणिक सत्र 2025-26 अर्थात अप्रैल 2026 तक के लिए मान्य रहेगा। अनुबंधित चिकित्सक को प्रति भ्रमण 50 सीटर छात्रावास/आश्रम के लिए 750 रुपए तथा 100 सीटर छात्रावास/आश्रम के लिए 1200 रुपए का मानदेय प्रदान किया जाएगा। चिकित्सक को माह में कम से कम दो बार छात्रावासों एवं आश्रमों में जाकर विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण करना होगा तथा स्वास्थ्य पंजी एवं हेल्थ कार्ड में परीक्षण का विवरण दर्ज करना होगा। प्रत्येक भ्रमण के बीच कम से कम 15 दिन का अंतराल अनिवार्य रखा गया है। विभागीय या विशेष परिस्थिति में अधीक्षक अथवा अधिकारी के निर्देश पर चिकित्सक को निर्धारित अवधि से पहले भी बुलाया जा सकता है। बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु महिला चिकित्सकों को प्राथमिकता दी जाएगी। अनुबंधित चिकित्सक यथासंभव अवकाश के दिनों में ही छात्रावासों का भ्रमण करेंगे ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई बाधा उत्पन्न न हो। इच्छुक चिकित्सक एक या एक से अधिक छात्रावासों के लिए अनुबंधित किए जा सकते हैं। आवेदक चिकित्सक किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय संस्था में नियमित अथवा संविदा पद पर कार्यरत नहीं होने चाहिए, इसके लिए शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। अनुबंध हेतु चिकित्सक चयन समिति का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा तथा यह अनुबंध किसी भी प्रकार की शासकीय सेवा नहीं मानी जाएगी। नियमों एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरिया के कार्यालय में कार्यालयीन दिवसों में देखी जा सकती है अथवा जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। यह योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को भी सुदृढ़ करेगी।

नशे में दूसरी गाड़ी से रेस, घंटाघर के पास गोल घुमकर टकराई रेस्टोरेंट की दीवार से

देर रात मौके पर लगी भीड़

कोरबा। यहां के ओपन थिएटर घंटाघर मार्ग पर पिछली रात हुए हादसे में दो युवक घायल हो गए। उनकी स्वीफ्ट कार घंटाघर मोड़ पर गोल चक्कर लगाने के बाद रेस्टोरेंट की दीवार से जा टकराई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। खबर है कि नशे के चक्कर में दूसरी गाड़ी से रेसिंग करना महंगा पड़ा। पीड़ितों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि आज सुबह कार मौके से नदारद मिली।

शुक्रवार की देर रात यह घटना हुई। सीएसईबी पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस हादसे के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बिलासपुर पासिंग स्वीफ्ट कार में दो युवक सवार थे। दोनों ही असामान्य स्थिति में थे। वे इसी रास्ते से जा रहे एक अन्य गाड़ी से स्पर्धा कर रहे थे। इसके क्या नतीजे होंगे, इस बारे में शायद उन्हें अनुमान नहीं था। पहले से ही गड्ढों की उपस्थिति सड़क पर है और घंटाघर के ठीक सामने टर्निंग भी। ऐसे में कई मौके पर घटनाएं तब हो चुकी है जब चालकों का ठीकठाक नियंत्रण स्टेयरिंग पर नहीं रहा। जबकि मानसिक चेतना का स्तर बेहतर न होने से भी समस्याएं उत्पन्न होती है। खबर के अनुसार पिछली रात हुए हादसे को लेकर हुई कुछ यही कारण प्रभावी बताया गया। जानकारी मिली कि घटना में दुर्घटनाग्रस्त चारपहिया गाड़ी में सवार दोनों युवक असामान्य थे। इसके बावजूद वे दूसरी चारपहिया गाड़ी से प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। एक प्वाइंट पर पहुंचने के साथ बिलासपुर पासिंग कार की टक्कर हो गई। इस नजारे को देखने के लिए वे लोग कुछ देर के लिए रूके जो यहां से आवाजाही कर रहे थे। बाद में पुलिस को अवगत कराया गया। मामले में अगली कार्यवाही की जा रही है।

नंबर प्लेट पर चढ़ा था रेड कव्हर

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार की नंबर प्लेट पर रेड कव्हर चढ़ा हुआ था। सामान्य तौर पर वीआईपी गाड़ियों में इस तरह के उपाय किए जाते हैं। रात की घटना में दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी का संबंध अधिकारी, नेता से था या किसी और से, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

गजराज बने अन्न उत्पादकों के लिए परेशानी का सबब

कोरबा। जिले के कोरबा व कटघोरा वनमंडल में बड़ी संख्या में सक्रिय गजराज अन्न उत्पादकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। गजराजों का दल अन्न उत्पादकों के क्षेत्र में पहुंचकर वहां तैयार धान की फसल को रौंदकर खलिहान में पहुंचने से पहले ही मटियामेट कर दे रहे हैं। जिससे अन्न उत्पादक काफी परेशान हैं। उनके द्वारा फसल की सुरक्षा की गुहार लगातार लगाई जा रही है लेकिन वन विभाग गजराजों से फसल को बचाने में नाकाम हो रहा है। जिससे परेशानी और भी बढ़ जा रही है।

जानकारी के अनुसार कटघोरा वनमंडल के पचरा, पाली तथा मोरगा क्षेत्र में 54 की संख्या में गजराज घूम रहे हैं। जिनमें से 11 का दल कोरबी क्षेत्र में धान फसल को रौंदने के बाद पाली का रूख कर लिया। जबकि पचरा क्षेत्र में मौजूद गजराजों का उत्पात जारी है। इधर कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में 52 हाथी बड़मार व रामपुर सर्किल में लगातार उत्पात मचा रहे हैं लेकिन इनमें से रामपुर क्षेत्र में सक्रिय 20 गजराजों ने बीती रात छाल रेंज का रूख कर लिया। हाथियों के इस दल को यहां के जंगल में आज सुबह विचरण करते हुए देखा गया जबकि 32 हाथी बड़मार सर्किल में मौजूद है। हाथियों के इस दल ने जमकर उत्पात मचाते हुए पीड़िया, बोतली, कोटमेर व अन्य गांवों में 15 से अधिक ग्रामीणों की फसल को तहस-नहस कर दिया।

सुरक्षा प्रशिक्षण में युवराज व रूपक चयनित

कोरबा। गुजरात के अहमदाबाद में वीआईपी की सुरक्षा से संबंधित विषय पर पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया गया है। कोरबा जिले से कुसमुंडा थाना प्रभारी युवराज तिवारी और इसी थाना के पूर्व प्रभारी रूपक शर्मा को छत्तीसगढ़ से चुना गया है। बताया गया कि कैंप में निरीक्षकों व डीएसपी स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गायन और नृत्य से ऊंचाई मिली विजया सम्मेलन को

कोरबा। जिला बंग समाज ने सीएसईबी के कोरबा ईस्ट स्थित सीनियर क्लब में विजया सम्मेलन का आयोजन पिछली रात किया। समाज की प्रतिभाओं ने गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुति करने के साथ सम्मेलन को ऊंचाई दी।

समाज के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव ने प्रतिवेदन पाठन किया। समाज के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विजयादशमी और दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुति का दौर शुरू हुआ। इस दौरान बालक-बालिकाओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उन्हें यहां पर पुरस्कृत भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों के सदस्यों की उपस्थिति कार्यक्रम में रही। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रजगामार माइंस के लिए वेस्टिंग ऑर्डर जारी

कोरबा। कमॅशियल कोल माइनिंग के तहत नीलाम किए गए रजगामार डिपसाइड देवनारा भूमिगत खदान के लिए वेस्टिंग ऑर्डर जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही खदान के प्रारंभ होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। कोयला मंत्रालय द्वारा जुलाई में रजगामार डिपसाइड देवनारा की नीलामी की गई थी। टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड ने इसे हासिल किया था। रजगामार डिपसाइड देवनारा कोल ब्लॉक छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित है।

आरोग्य मंदिर में हो रहा लोगों का उपचार

कोरबा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुआंभट्ठा बुधवारी रोड स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन में शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का संचालन किया जा रहा है। जहां प्रतिदिन कुआंभट्ठा व नेहरू नगर के लोग पहुंचकर अपना नि:शुल्क उपचार करा रहे हैं। प्रारंभ में आरोग्य मंदिर शुरू करने में यहां भवन के अभाव में परेशानी हुई, लेकिन कोरबा पूर्वांचल सर्व समाज विकास समिति के अध्यक्ष ठा. अवधेश सिंह एवं सचिव मो. साकिर अंसारी ने पहल करते हुए सामाजिक भवन में मेडिकल स्टाफ की बैठने की व्यवस्था कराई और संचालन के लिए स्थान उपलब्ध कराया। जहां इन दिनों आरोग्य मंदिर का सुचारू संचालन हो रहा है। यहां स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सिस्टर राज, रश्मि तथा जानकी पटेल की पदस्थापना की गई है। जिनके द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है और आवश्यक परामर्श देने के साथ उन्हें दवाईयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। आरोग्य मंदिर के क्षेत्र में संचालित होने से नेहरू नगर, कुआंभट्ठा व आसपास के लोगों को लाभ हो रहा है, जिन्हें अब अपने उपचार के लिए बड़े डॉक्टरों के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और उनका उपचार मोहल्ले में स्थित आरोग्य मंदिर में हो जा रहा है। साथ ही नि:शुल्क दवाएं भी मिल जा रही है।

नहाय -खाय से शुरू हुआ छठ, कल खरना

कोरबा। कोरबा नगर और उपनगरी क्षेत्रों के अलावा कस्बों में पूर्वांचल का छठ पर्व आज नहाए-खाए के साथ शुरू हो गया। रविवार को खरना की परंपरा पूरी होगी। पर्व को लेकर बाजार में रौनक है।

बताया गया कि छठ पूजा के अंतर्गत सोमवार को अस्त होते सूर्य को प्रथम अर्ध्य दिया जाएगा। कोरबा के ढेंगुरनाला, हसदेव, बेलगरी बालको, दर्री बाराज सहित 50 से अधिक घाटों पर इसके लिए तैयारी की गई है। नगर निगम और अन्य निकायों के साथ पूर्वांचल विकास समिति से जुड़े लोगों ने मौके पर साफ सफाई की। उन्होंने अपने संसाधन उपलब्ध कराया और श्रमदान भी किया। बताया गया कि मंगलवार को उदित होते सूर्य की पूजा करने के साथ सभी के लिए घाटों पर मंगल कामना की जाएगी। इस पर्व पर उपयोग में आने वाले सामाग्री दौरा, सूपा के साथ-साथ हल्दी, गन्ना, अदरक समेत 25 से अधिक प्रकार के फल बाजार में उपलब्ध हैं। जिनकी जोर-शोर से हो रही है। इससे पहले छठ घाटों का निरीक्षण करने के साथ यहां की व्यवस्थाओं को जाना गया और मौके पर जरूरतें पूरी की गई।

प्रतिभाएं समाज की धरोहर है, इन्हें दिशा दें : मेयर

मेढ़ क्षेत्रीय स्वर्णकार समाज ने मनाया दिवाली मिलन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा की मेयर संजू देवी राजपूत ने कहा कि प्रतिभाएं समाज की धरोहर हैं। वे अपने कौशल प्रदर्शन से अपने साथ परिवार और समाज का नाम रौशन करती हैं इसलिए इनका संरक्षण करने के साथ दिशा देने की जिम्मेदारी समाज की है और यह काम लगातार होना चाहिए।

शुक्रवार की रात जलाराम मंदिर परिसर के सभाकक्ष में मेढ़ क्षेत्रीय स्वर्णकार समाज के प्रतिभा सम्मान और दीपावली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर संजू देवी ने यह बात कही। उन्होंने समाज के प्रयास को सराहा। शैक्षणिक क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले दीपांशु सोनी सहित 12 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान अतिथियों ने किया। संजू देवी ने यहां इस बात को भी कहा कि कोरबा क्षेत्र में विभिन्न समाजों की गतिविधियों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नगर निगम की कोशिश सभी का ध्यान रखना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्येय वाक्य सबका साथ सबका विकास को भी उद्धृत किया। कहा गया कि कोरबा क्षेत्र में नगर निगम की भूमिका बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के साथ अन्य जरूरतों को पूरा करने की तरफ भी लगातार हो रहा है। स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनी ने भी इस अवसर पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दीपावली मिलन के साथ प्रतिभा सम्मान का अपना विशेष महत्व है। हम चाहते हैं कि समाज सकारात्मक दिशा में जाए और विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कर दिखाने वालों को प्रोत्साहित भी करें। समाज की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष तारा देवी सोनी ने महिला सशक्तिकरण के साथ कोरबा क्षेत्र में सामाजिक स्तर पर हो रही कोशिशों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विकृतियों को परास्त कर अच्छाइयों को मजबूती देना हर समाज की जिम्मेदारी है। आयोजन में जिल के विभिन्न क्षेत्रों के स्वर्णकार बंधु और मातृशक्ति उपस्थित रही।

मेनोनाईट चर्च के पीछे अतिक्रमण हुई कार्यवाही

कोरबा। कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्रांतर्गत राताखार क्षेत्र में नगर निगम और प्रशासन ने मिलकर अतिक्रमण के मामले में कार्यवाही की। इससे पहले संबंधित लोगों को इस बारे में नोटिस दिया गया था।पर्याप्त समय देने के बाद मौके पर कार्यवाही की गई। मेनोनाईट चर्च के पीछे सरकारी जमीन स्थित है। कुछ दिनों से शिकायत मिली कि कुछ लोगों द्वारा यहां राताखार बायपास रोड पर खाली सरकारी जमीन को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन ने ऐसी स्थिति में सरकारी योजना के क्रियान्वयन को लेकर चुनौति महसूस की। मौके का निरीक्षण कराने के साथ संबंधित लोगों को इस बारे में नोटिस दिया गया। संयुक्त टीम ने बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण हटाया।

मनमाने तरीके से डंप की जा रही फ्लाईऐश, बढ़े खतरे

आखिर प्रशासन कब हस्तक्षेप करेगा ऐसे मामलों में

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा में इन दिनों बड़े पैमाने पर बिजली घरों से निकलने वाली राखड़ की डंपिंग की जा रही है, यह कार्य शंकर ट्रांसपोर्टर द्वारा किया जा रहा है। बताया जाता है कि ट्रांसपोर्टर ने निजी जमीन के गड्ढे को पाटने के नाम पर राखड़ की डंपिंग शुरू कर दी है, लेकिन यह कार्य पूरी तरह नियमों के विपरीत हो रहा है। ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि मनमानी तरीके से हो रही डंपिंग से आने वाले समय में खेतों की उर्वरा शक्ति और आसपास के पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है।

आरोप है कि राखड़ डंपिंग जिस भूमि पर की जा रही है, उसके चारों ओर दर्जनों किसानों के खेत मौजूद हैं। इनमें मुरली यादव, जय मंगल, पानसाय, विजय कुजूर, बेरोनिका, विक्रम मरकाम समेत कई किसानों की कृषि भूमि शामिल है। फिलहाल राखड़ पटिंग खेतों तक अभी नहीं पहुंची है, लेकिन जिस तेजी से गड्ढा पाटा जा रहा है, उससे आशंका है कि कुछ ही दिनों में यह राखड़ खेतों में फैल सकती है और फसल को नुकसान पहुंचा सकती है। मामले को गंभीर बताते हुए युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अंकित पाल ने पोड़ी उपरोड़ा स्छरू को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि नियमों के मुताबिक राखड़ डंपिंग का कार्य नहीं कराया गया और किसानों की जमीन सुरक्षित नहीं रखी गई, तो प्रभावित किसानों और युवा कांग्रेस द्वारा बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी।

किसानों के अलावा राहगीरों को भी इस मनमानी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टर द्वारा भूमि से सटे राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥) पर भी राखड़ का ढेर लगा दिया गया है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। धूल और राखड़ उड़ने से राहगीर परेशान हैं और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

युवा कांग्रेस का कहना है कि मामले की जानकारी होने के बावजूद प्रशासन मौन है। जिम्मेदार अधिकारी और विभाग आंख मूंदे बैठे हैं। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। युवा कांग्रेस,किसानों और ग्रामीणों की मांग है कि शासन-प्रशासन तुरंत हस्तक्षेप कर नियम विरुद्ध राखड़ डंपिंग को रोके, ताकि आने वाले समय में कृषि भूमि और पर्यावरण पर संकट न आए। यह मामला अब केवल किसानों की आजीविका से नहीं, बल्कि जन स्वास्थ्य और पर्यावरण से भी जुड़ता नजर आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

खेतों के आसपास अनुमति देने का क्या आधार

ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब उक्त भूमि के पास किसानों की कृषि भूमि मौजूद है, तो आखिर पर्यावरण विभाग ने इस डंपिंग की अनुमति किस आधार पर दी? ना ही मौके का विभागीय निरीक्षण किया गया ना ही किसानो से परामर्श ली गई इसके अलावा ट्रांसपोर्टर ने ग्राम पंचायत से भी अनुमति ले ली है, लेकिन नियमों की अनदेखी करते हुए कार्य को अंजाम दिया जा रहा है।

पूर्व मंत्री जयसिंह ने दी छठ की बधाई

कोरबा। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सूर्य उपासना का महापर्व छठपर्व के पावन अवसर पर कोरबावासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है । श्री अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि छठपर्व, भगवान सूर्य देव की पूजा आराधना का महापर्व है जो रोशनी, जीवन एवं उष्मा का प्रतीक है । इस महापर्व के पहला दिन खरना से व्रती व्रत पूरा करती है, दूसरे दिन 24 घंटे का निर्जला उपवास के बाद सरोवर के जल में खड़ा होकर सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत पूरा होता है। यह पर्व सुख शांति, समृद्धि का वरदान तथा मनोवांछित फल देने वाला पर्व है ।

पिकनिक स्पॉट में डूबे युवक का मिला शव

कोरबा। बुका पिकनिक स्पॉट पर मछली पालन के काम में लगे एक युवक की डूबने से मौत हो गई। 24 अक्टूबर की सुबह फाउटिंग हाउस से लौटते समय आशीष मरावी (24 साल) गहरे पानी में गिर गया था। उसका शव 24 घंटे बाद मिला है। 20 फीट गहराई से उसका शव बाहर निकाला गया।

मामला बांगो थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है घटना के बाद वहां मौजूद 2 दोस्तों ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगाई थी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मृतक आशीष रतनपुर के मेलनाडीह खुंटाघाट का रहने वाला था और बुका के कॉटेज हाउस में रहता था। वह महिला समिति द्वारा संचालित मछली पालन इकाई में कार्यरत था। शुक्रवार की सुबह आशीष अपने दो अन्य साथियों के साथ बुका डैम पर रस्सी के सहारे फाउटिंग हाउस पर काम करने गया था। काम खत्म होने के बाद तीनों कर्मचारी रस्सी के सहारे वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक आशीष मरावी की तबीयत बिगड़ी और वह गहरे पानी में गिर गया। उसे बचाने के लिए उसके दो दोस्तों ने भी पानी में छलांग लगाई, लेकिन आशीष का कुछ पता नहीं चल सका। काफी खोजबीन के बाद भी जब वह नहीं मिला, तब इसकी सूचना बांगो थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। जिला प्रशासन द्वारा नगर सेवा के गोताखोरों की टीम को बुलाया गया। 8 सदस्यीय टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद शनिवार की सुबह रेस्क्यू टीम को कांटे के सहारे लगभग 20 फीट नीचे आशीष का शव मिला, जिसे ऊपर खींचा गया।

बांगो थाना प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि आशीष मरावी के साथियों और परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं। बयानों के मुताबिक, आशीष की अचानक तबीयत खराब हुई और वह पानी में गिर गया, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। आशीष और उसके अन्य दोस्त एक ही गांव के रहने वाले थे और बुका में ही रहकर मछली पालन का काम करते थे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com